INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-178 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 23 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बजट के इंतजार में ठहरी विधवा महिलाओं की जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। पति के जिंदा रहते पत्नी के लिए 30 हजार रुपये की रकम भले ही बहुत बड़ी न हो, लेकिन कमाने वाले पति की असमय मृत्यु के बाद यही रकम परिवार के लिए बड़ा सहारा बन जाती है। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के लिए मथुरा जिले में 1,831 से अधिक निराश्रित महिलाएं लंबे समय से इंतजार कर रही हैं। करीब डेढ़ साल से इन महिलाओं की उम्मीद समाज कल्याण विभाग की चौखट पर अटकी हुई है। आवेदन करने के बाद भी भुगतान नहीं होने से जरूरतमंद परिवारों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत पात्र परिवार को कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी

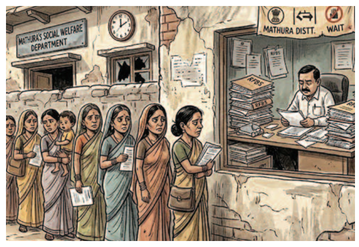

जाती है। यह राशि ऐसे परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है, जिनके सामने पति की मृत्यु के बाद आय का कोई स्थायी साधन नहीं रहता। जिले में बीते वित्तीय वर्ष में भी योजना के तहत भुगतान नहीं हो सका। नए वित्तीय वर्ष में भी अभी तक लाभार्थियों को धनराशि नहीं मिली है। इसके चलते पुराने लंबित आवेदनों की संख्या लगातार बनी हुई है। वहीं, अप्रैल से अब तक

डेढ़ साल से करीब 18 सौ विधवाओं को 30-30 हजार रुपये की मदद का इंतजार

नए वित्तीय वर्ष में समाज कल्याण विभाग को 323 आवेदन हुए प्राप्त

जिले में करीब 323 नए आवेदन राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों की जांच और अन्य प्रक्रिया के बाद भी लाभार्थियों को भुगतान का इंतजार है। पुराने आवेदनों को मिलाकर वर्तमान में करीब 1,831 आवेदन लंबित बताए जा रहे हैं।

यह है योजना की पात्रता

परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर योजना का लाभ मिलता है। मृतक की उम्र सामान्यतः 18 से 59 वर्ष के बीच होनी चाहिए। परिवार निर्धारित गरीबी/आय सीमा में होना चाहिए। ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

योजना का लाभ पाने के लिए महिलाएं और उनके परिवार लगातार विभाग के चक्कर लगा रहे हैं। कई परिवारों के सामने रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि योजना के लिए बजट उपलब्ध नहीं होने के कारण भुगतान रुका

जरूरी दस्तावेज

मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र, मृतक और आवेदक (पत्नी) का आधार कार्ड, राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आवेदक का बैंक पासबुक, मृतक से संबंध का प्रमाण, पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर।

हुआ है। बजट प्राप्त होते ही पात्र लाभार्थियों के लंबित आवेदनों के अनुसार भुगतान की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, लंबे समय से सहायता का इंतजार कर रहे परिवारों को अब बजट जारी होने का इंतजार है। विधवा महिलाओं का कहना है कि सरकारी सहायता मिलने में देरी से योजना का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है।

फरह में जैविक खाद के ट्रक से 2.51 कुंटल गांजा बरामद

अवैध गांजे के साथ पकड़े गए आरोपित और पुलिस टीम।

यूनिक समय, फरह। रैपुराजाट के समीप ग्वालियर बाईपास के पास प्रस्तावित जैन मंदिर रैपुरा जाट फील्ड के पास रविवार को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को भारी सफलता हाथ लगी। ओडिशा से ट्रक में जेविक खाद के बीच छिपाकर लाया जा रह 2.51 कुंटल से अधिक गांजा बरामद किया है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एक सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। बताया गया कि ओडिशा से भारी

पांच आरोपी गिरफ्तार बलेनो कार भी हुई बरामद

मात्रा में गांजा ट्रक में भरकर लाया जा रहा है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम तुरंत सूचना पर सक्रिय हुई और ग्वालियर बाईपास पर पहुंच गई। टीम ने वहां से गुजरते संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में ऊपर जैविक खाद लदी हुई थी। खाद्य के नीचे छिपाकर 2 कुंटल 51 किलो गांजा रखा गया था। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। मौके से पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बलेनो कार भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में ललित कुमार निवासी गभाना अलीगढ़, हरेंद्र कुमार निवासी लक्ष्मणगढ़ी थाना खैर, अलीगढ़, अभिजीत शर्मा निवासी अलीगढ़, ट्रक चालक जयंतो हलधर और विद्युत हलधर दोनों निवासी ओडिशा हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में एएनटीएफ प्रभारी निरीक्षक हरवेंद्र मिश्रा, एसआई गौरव, अजीत, दीपू, लखन, अचल, रंधीर के अलावा सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी और कस्बा इंचार्ज अजय मलिक शामिल थे।

गांजा तस्कर की तलाश में दबिश जारी

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस इस मामले में गांजा तस्करी के सरगना को तलाश कर रही है, वहीं इस बात का भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मथुरा, अलीगढ़ आदि इलाकों में गांजा कौन भेजता है और इस अवैध कारोबार में कौन-कौन शामिल है। एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के सीओ उमेश पवार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि गांजा तस्करी का सरगना खैर, अलीगढ़ निवासी मुकुल है। मुकुल की गिरफ्तारी के लिए टीम द्वारा दबिश दी जा रही है। टीम इस बात का भी पता लगने में जुटी है कि गांजे की खेप को ओडिशा में कहां से लाया जाता है, साथ ही मथुरा-अलीगढ़ क्षेत्र में इसकी सप्लाई किन-किन लोगों को की जाती है। इन लोगों के बारे में जानकारी करने के बाद उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

एएनटीएफ की दूसरी बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। एएनटीएफ ने डेढ़ माह के दौरान यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले फरह कस्बे में भी बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया गया था। लगातार हो रही कार्रवाई से गांजा तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

राजकीय बालिका गृह में हत्या पांच किशोरियों पर रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय बालिका गृह में दस वर्षीय बालिका की पानी से भरी बाल्टी में डुबोकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने पांच किशोरियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बालिका गृह की अधीक्षिका की तहरीर पर दो किशोरियों के खिलाफ हत्या और तीन अन्य के खिलाफ हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बताया गया कि बालिका गृह में रहने वाली दस वर्षीय बालिका का शव बाथरूम में पानी की बाल्टी में मिला था। घटना के बाद बालिका गृह में हड़कंप मच गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने बालिका के साथ कमरे में रहने वाली दो किशोरियों को हत्या के मामले में नामजद किया है।

इसके अलावा तीन अन्य किशोरियों पर हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रिपोर्ट

दो किशोरियों पर हत्या, तीन पर साजिश का आरोप

अधीक्षिका की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के पीछे के कारणों और वारदात से पहले और बाद की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना ने राजकीय बालिका गृह की सुरक्षा व्यवस्था और वहां रह रही बालिकाओं की निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच में जुटी है।

बाइक चोर गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। बरसाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान छप्पन कटोरा नगर पालिका के कूड़ा घर के समीप से अभियुक्त हाकिम निवासी गांव नहारा थाना बरसाना को चोरी की बाइक और चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

आत्महत्या को उकसाने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। सुरीर पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले अभियुक्त कान्हा निवासी भालई सुरीर को भालई को समीप से गिरफ्तार किया है।

माफियाओं ने खनन टीम पर किया हमला

यूनिक समय, टाउनशिप। रिफाइनरी थाना क्षेत्र के गांव करनावल मदनपुर में मिट्टी का अवैध खनन कर बरेली-जयपुर एक्सप्रेस-वे की ओर लौट रहे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को खनन विभाग की टीम ने रोकने का प्रयास किया। ट्रैक्टर सवार लोगों ने टीम की गाड़ी में टक्कर मार दी, पथराव किया। ट्रैक्टर सवारों ने एक होमगार्ड को खींच कर ले जाने का प्रयास भी किया।

जानकारी के अनुसार, खनन निरीक्षक सुभाष सिंह अपनी टीम के साथ बरेली-जयपुर हाईवे से निकल रहे

ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास, पथराव किया

पुलिस ने दो ट्रैक्टरों को किया जब्त

थे। इसी दौरान उन्हें मिट्टी से भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां आते देखा। टीम ने वाहनों को रोकने का प्रयास किया। इस पर ट्रैक्टर सवारों ने खनन विभाग की गाड़ी में टक्कर मारते हुए पथराव शुरू कर दिया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हमलावरों ने टीम में शामिल होमगार्ड कमल सिंह को नीचे उतार लिया और ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो मिट्टी से भरे ट्रैक्टरों को अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान ट्रैक्टर पर सवार लोग भाग निकले। खनन निरीक्षक ने मामले में एक दर्जन नामजद और 25-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिफाइनरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

लाला के जन्मोत्सव को सजने संवरने लगी ब्रज भूमि

रंगीन रोशनी से चमकता टाउनशिप अंडरपास।

बैकुंठ सी दमकेगी कान्हा की नगरी की आभा

लुभाएंगे चौराहे झिलमिलाएंगी रंग बिरंगी बिजली की झालरें

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर ब्रजभूमि में तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया है। कान्हा के जन्मोत्सव पर इस बार मथुरा की छटा श्रद्धालुओं को बैकुंठ लोक का अहसास कराएगी। शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों और प्रवेश मार्गों को सजाने–संवारने की तैयारी की जा रही है। रात के समय बिजली की रंग–बिरंगी झालरों से सजे मार्ग और चौराहे कृष्ण नगरी की सुंदरता में चार चांद लगाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में जन्माष्टमी का पर्व आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाता है। देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु लाला के जन्मोत्सव में शामिल होने पहुंचते हैं।

ऐसे में शहर को आकर्षक रूप देने के लिए प्रमुख मार्गों के साथ ही राजमार्गों के चौराहों और तिराहों को भी सजाया जाएगा। प्रवेश द्वारों से लेकर शहर के प्रमुख स्थलों तक रोशनी की ऐसी व्यवस्था की जाएगी, जिससे रात में पूरी नगरी जगमगाती नजर आए।

चौराहों पर सजावट के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक झलकियां भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करेंगी। कहीं भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी दिखाई देगी तो कहीं गोकुल की गलियों और ब्रज संस्कृति की छटा नजर आएगी। रंग–बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट के बीच मथुरा की प्राचीन गलियां भी अलग ही रूप में दिखाई देंगी।

जन्माष्टमी के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर के आसपास विशेष रौनक रहती है। मंदिरों में भव्य सजावट, फूल बंगले और विद्युत सज्जा श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचती है। इस बार शहर के बाहरी हिस्सों से लेकर प्रमुख बाजारों तक सजावट का दायरा बढ़ाने की तैयारी है। प्रशासनिक स्तर पर भी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की कवायद तेज हो गई है। जन्माष्टमी की रात जैसे–जैसे नजदीक आएगी, वैसे–वैसे कृष्ण नगरी की आभा और निखरेगी।

जरारा में मिले महिला के शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर के जरारा नहर से मिले अज्ञात महिला के शव की पुलिस ने शिनाख्त कराली। पुलिस के अनुसार, महिला की हत्या करने के बाद उसके पति ने नहर में फैंक दिया था। पुलिस ने बताया कि जरारा नहर में मिली अज्ञात महिला की लाश के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी गला दबा कर हत्या करना आया। सुरीर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर महिला के शव की शिनाख्त के प्रयास किए। पुलिस को पता लगा कि महिला मामूरा गांव के सेक्टर 71 थाना फेज–3 गौतमबुद्ध नगर सुभाष चंद की पत्नी है। बताया गया कि महिला के पति ने उसकी गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को नहर में फैंक दिया था।

कोसी के प्राचीन दाऊजी मंदिर में पंचदिवसीय हिंडोला उत्सव शुरु

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के प्राचीन ठाकुर दाऊजी मंदिर, बलदेवगंज में पंचदिवसीय हिंडोला कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह महोत्सव 28 अगस्त तक चलेगा। 23 अगस्त को चांदी के हिंडोले में, 24 को पीली घटा में सजे हिंडोले में, 25 को नीली घटा में सजे, 26 को काली घटा में, 27 को हरी घटा में 28 को रक्षाबंधन पर चांदी के हिंडोला और सफेद घटा के विशेष दर्शन कराए जाएंगे।

मंदिर कमेटी ने सभी भक्तजनों से हिंडोला उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

कालाबाजारी पर कार्रवाई के बाद भी नहीं थम रहा खेल

राशन, पेट्रोल और डीजल की कालाबाजारी में 16 डीलरों पर एफआईआर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में राशन, पेट्रोल और डीजल की कालाबाजारी रोकने के लिए जिला पूर्ति विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसके बावजूद कालाबाजारी के मामले सामने आ रहे हैं। जनवरी से अगस्त 2026 तक जिले में नियमों का पालन नहीं करने पर 16 डीलरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। कई जगह विभाग की टीमों ने राशन और पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी पकड़कर सामान जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2026 के बीच कालाबाजारी और नियमों का उल्लंघन करने के मामलों में 16 डीलरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विभाग की टीमों ने अलग–अलग स्थानों पर जांच और छापेमारी कर राशन की चोरी और उसे बाजार में बेचने के मामले पकड़े हैं। छाता में चावल की कालाबाजारी का मामला भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, एथनोल बनाने के लिए एफसीआई से एलांजम विस्टलरी संस्था को चावल दिया गया था। आरोप है कि संस्था ने चावल लेने के बाद एथनोल नहीं बनाई और चावल को ही बेच दिया। मामले में विभाग की ओर से कार्रवाई की गई है। कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान छाता, मांट और महावन क्षेत्र में भी सामान और पेट्रोलियम पदार्थ पकड़े गए हैं। विभाग अब जब्त किए गए सामान और पेट्रोलियम पदार्थों की नियमानुसार नीलामी कराने की तैयारी कर रहा है। इससे जब्त सामग्री का निस्तारण किया जाएगा।

धर्म को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए

प्रस्तावित बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और मंदिर अधिग्रहण का विरोध

विधानसभा चुनाव 2027 में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी

बांके बिहारी के दर्शन करते कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव–उत्तर प्रदेश के सह–प्रभारी कुणाल चौधरी, साथ हैं पूर्व विधायक प्रदीप माथुर और कार्यकर्ता।

यूनिक समय, वृंदावन। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव-उत्तर प्रदेश के सह–प्रभारी कुणाल चौधरी ने रविवार को ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन-पूजन कर देश–प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और सदभाव की कामना की। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वृंदावन केवल धार्मिक नगरी ही नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सनातन संस्कृति का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने देश में बढ़ती वैमनस्यता और धार्मिक उन्माद की राजनीति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। राम मंदिर के चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं और पारदर्शिता के सवालों को उठाते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के दान का पूरा हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए। उन्होंने काशी, अयोध्या और अब प्रस्तावित बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के संदर्भ में कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की आस्था, रोजगार, घर–दुकान और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

प्रस्तावित बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और मंदिर अधिग्रहण का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन ऐसा विकास स्वीकार नहीं किया जा सकता जो ब्रजवासियों की भावनाओं और अधिकारों की कीमत पर हो। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता ऐसी राजनीति को जवाब देते हुए भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी। इस अवसर पर पूर्व सीएलपी लीडर प्रदीप माथुर, शहर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम, पूर्व जिलाध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया, भगवान सिंह वर्मा, राजन पाठक, रचनात्मक कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक पाराशर, प्रकाश शर्मा, अजय शर्मा, आशीष अरोड़ा, शिव कुमार गौतम 'बंटी' आदि उपस्थित थे।

एक्सप्रेस– वे कट पर हुआ स्वागत

यूनिक समय,मथुरा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव-सह प्रभारी उत्तर प्रदेश कुणाल चौधरी का मथुरा आगमन पर यमुना एक्सप्रेस-वे वृंदावन कट पर कांग्रेसजनों ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कार्यकर्ता राष्ट्रीय सचिव के स्वागत के लिए पहुंचे। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद, बलवीर प्रधान, हाशिम हुमेंर, करन निषाद, अशोक निषाद, विपुल पाठक, जिलानी कादरी, रमेश कश्यप, सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों में होगी महिलाओं की मुफ्त यात्रा

आदेश जारी होते ही बहनों के चेहरों पर खिला खुशी का रंग

एक सहयोगी के साथ 27 से 28 अगस्त की रात कर सकेंगी मुफ्त सफर

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा के बाद जिले की महिलाओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दे रही है। भाई की कलाई पर राखी बांधने जाने वाली बहनों के लिए यह सुविधा महंगाई के दौर में बड़ी राहत बनकर आई है। खासकर दूर–दराज रहने वाली बहनों को आने–जाने के किराये की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

सरकार की घोषणा के अनुसार, 27 से 28 अगस्त की रात तक महिला यात्री अपने एक सहयोगी के साथ रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। रक्षाबंधन पर मिठाई, राखी और अन्य सामान के दाम बढ़ने से पहले ही त्योहार का खर्च बढ़ गया है। ऐसे में बस किराया बचने से महिलाओं को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। मथुरा से अलीगढ़ जाने वाली साधारण रोडवेज बस का किराया करीब 97 रुपये बताया गया है। वहीं मथुरा से दिल्ली की दूरी करीब 140 किलोमीटर है और बस सेवा भी उपलब्ध है। ऐसे में दूर के शहरों में राखी बांधने जाने वाली महिलाओं को आने–जाने में अच्छी खासी बचत होगी। संगीता देवी ने कहा कि में हर साल रक्षाबंधन पर अपने भाई के घर अलीगढ़ जाती हूं। आने–जाने में करीब 200 रुपये तक किराया लग जाता है। महंगाई में सरकार की यह घोषणा अच्छी है। पूजा सिंह ने कहा कि राखी के साथ मिठाई और दूसरे सामान का खर्च भी रहता है। बस का किराया नहीं लगेगा तो त्योहार का खर्च कुछ कम होगा। रीना देवी राया ने बताया कि भाई दिल्ली में रहते हैं। रक्षाबंधन पर उनसे मिलने जाने में बस का किराया काफी हो जाता है। मुफ्त यात्रा की सुविधा से बड़ी राहत मिलेगी। कविता चौधरी निवासी कृष्णा विहार का कहना है कि त्योहार से पहले महंगाई बढ़ जाती है। ऐसे में रोडवेज की मुफ्त यात्रा से कम रुपये खर्च होंगे।

मथुरा पहुंची 2763 मीट्रिक टन डीएपी की खेप

91 सहकारी समितियों को हुआ आवंटन, किसानों को पर्याप्त उर्वरक

मथुरा जंक्शन पर आई डीएपी के पास मौजूद अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में किसानों को राहत देने वाली खबर है। इफको डीएपी की 2763 मीट्रिक टन की खेप मथुरा पहुंच गई। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देशन में उर्वरक का आवंटन कर सहकारी समितियों और बिक्री केंद्रों पर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने मथुरा जंक्शन स्थित रैक स्थल का निरीक्षण कर प्रेषण व्यवस्था की समीक्षा की।

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्र ने बताया कि प्राप्त डीएपी में से 91 सहकारी समितियों और संस्थाओं को उर्वरक का आवंटन किया गया है। संबंधित समितियों तक उर्वरक पहुंचाने का कार्य जारी है। खेप आने के बाद जिले में डीएपी की उपलब्धता पर्याप्त हो गई है। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार क्षेत्र की सहकारी समिति से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जिले की सहकारी समितियों पर यूरिया और अन्य फॉस्फेटिक उर्वरकों का भी पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। किसानों को उर्वरक की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान अपर जिला सहकारी अधिकारी सदर गुलाम मुही, एडीओ सहकारिता सुरेंद्र सिंह और इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक सतबीर सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों ने रैक से समितियों तक उर्वरक पहुंचाने की प्रक्रिया की जानकारी ली।

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्र किसानों से इफको नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की। उनका कहना है कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। समितियों पर नैनो डीएपी और नैनो यूरिया भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने की जानकारी दी गई।

रक्षाबंधन पर मथुरा से गुजरेंगी चार विशेष ट्रेनें

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों के चलने से मथुरा और आसपास के यात्रियों को दिल्ली, झांसी और खजुराहो की ओर आने–जाने में सुविधा मिलेगी। ट्रेन संख्या 01901 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से हजरत निजामुद्दीन के लिए 27 और 28 अगस्त को चलेगी। यह ट्रेन झांसी से सुबह 11 बजे रवाना होकर दोपहर 4:05 बजे मथुरा पहुंचेगी और 4:10 बजे रवाना होगी। ट्रेन शाम 6:30 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01902 हजरत निजामुद्दीन से 27 और 28 अगस्त को रात 7:30 बजे चलेगी। यह ट्रेन रात 10:05 बजे मथुरा पहुंचेगी और 10:10 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 01903 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 26 से 30 अगस्त तक चलेगी। यह ट्रेन झांसी से शाम 7:20 बजे रवाना होकर रात 12:05 बजे मथुरा पहुंचेगी और 12:10 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01904 हजरत निजामुद्दीन से 27 से 31 अगस्त तक चलेगी। यह ट्रेन सुबह 4:10 बजे रवाना होकर सुबह 6:15 बजे मथुरा पहुंचेगी और 6:20 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 01913 खजुराहो से 26, 28 और 30 अगस्त को चलेगी। यह ट्रेन खजुराहो से शाम 5 बजे रवाना होकर सुबह 4:20 बजे मथुरा पहुंचेगी और 4:25 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01914 हजरत निजामुद्दीन से 27, 29 और 31 अगस्त को सुबह 11:10 बजे चलेगी। यह ट्रेन दोपहर 2:05 बजे मथुरा पहुंचेगी और 2:10 बजे रवाना होगी।

ट्रांसफॉर्मर चोरी करते चोर को लगा करंट, मौत

चोर की हुई शिनाख्त अन्य अपराधियों की तलाश जारी

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के लोरिया पट्टी गांव में ट्रांसफॉर्मर चोरी करने के दौरान एक चोर को बिजली का तेज करंट लगा, जिससे वह ट्रांसफॉर्मर से नीचे गिरकर मर गया। इसके बाद उसके साथी मौके से भाग गए। चोर की शिनाख्त अलीगढ़ निवासी अजय यादव के रूप में हुई है।

बताया गया कि आजकल ट्रांसफॉर्मर चोर गैंग बिजली के ट्रांसफॉमरों की चोरी कर रहे हैं। बीती रात भी गैंग ने थाना मगोर्रा के लोरिया पट्टी में लगे बिजली के ट्रांसफॉर्मर को चोरी करने का प्रयास किया। चोरों में से एक ने ट्रांसफॉर्मर में आने वाली 11 हजार केवीए की केविल को काटने का प्रयास किया। केबिल काटने के दौरान चोर को जोरदार बिजली का करंट लगा और वह जमीन पर गिर गया। संभवत उसकी मौत को देख साथी चोर वहां से उसे मृत छोड़ कर भाग गए। पुलिस को भी इस बारे में ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर के समीप एक अज्ञात मृतावस्था में पड़ा है। घटना का पता लगने पर सीओ गोवर्धन अनिल कुमार, एसओ मगोर्रा अजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक युवक के बारे में जानकारी की । सीओ के अनुसार मृतक की शिनाख्त अजय यादव निवासी गिरधरपुर अलीगढ़ के रुपये में हुई है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ के अनुसार, इस मामले में जांच की जा रही है। गैंग के संबंध में जानकारी करने के बाद उनको भी गिरफ्तार किया जाएगा।

संत प्रेमानंद के दर्शन कर भक्त हो गए प्रफुल्लित

शिष्यों के साथ संत प्रेमानंद।

बड़े गुरुदेव से मिलने के लिए संत प्रेमानंद निकले आश्रम से बाहर

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद के दर्शन कर भक्त निहाल हो गए। किसी को उम्मीद नहीं थी कि आज महाराज श्री के दर्शन होंगे। वह अपने यमुना पार स्थित आश्रम से गुरुदेव से मिलने के लिए राधा वाटिका को जाने को निकले। इस दरम्यान भक्तों को महाराज श्री के दर्शन हो गए। दर्शन पाकर बड़ी संख्या में भक्त प्रफुल्लित नजर आए। बोले, आज तो उनके भाग्य खुल गए। सोचा नहीं था कि सहजता के साथ महाराज श्री के दर्शन हो जाएंगे। वैसे यह बताते चलें कि संत के अनिश्चितकालीन दर्शन हैं।

रक्षाबंधन पर नशे में मिले चालक तो होगी सख्त कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने सार्वजनिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। रोडवेज बसों की फिटनेस जांच के साथ चालकों की ड्यूटी से पहले जांच कराई जाएगी। नशे की हालत में चालक या परिचालक मिलने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षाबंधन के लिए संचालित होने वाली सभी रोडवेज बसों की फिटनेस और तकनीकी स्थिति पहले ही जांची

महिलाओं–बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर

निजी बस, टैक्सी और ई–रिक्शा चालकों का पुलिस सत्यापन जरूरी

जाएगी। कोई वाहन खराब अथवा असुरक्षित मिलने पर उसे सड़क पर नहीं उतारा जाएगा। चालक, परिचालक और अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने से पहले जांच होगी। नशे में पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पर्व के दौरान चलने वाली निजी बसों के संचालकों को अपने चालकों और परिचालकों का पुलिस, चरित्र सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। टैक्सी और ई–रिक्शा संचालकों को भी सत्यापित और सक्षम चालकों से ही वाहन चलवाना होगा। सत्यापन के दस्तावेज सुरक्षित रखने होंगे।

क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्री न बैठाए जाएं। निर्धारित गति सीमा का पालन कराना भी अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय कर यातायात व्यवस्था, रूट डायवर्जन तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कराया जाएगा। माल वाहनों और ट्रैक्टर–ट्रॉली में यात्रियों के अवैध परिवहन पर रोक रहेगी।

तेज आवाज वाले डीजे सिस्टम, वाहनों में अवैध बदलाव, ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। रक्षाबंधन पर यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। अप्रिय घटना की स्थिति में मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उठावनी

स्व. श्री गोवर्धनदास जी चौधरी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री गोवर्धन दास जी चौधरी का गोलोकवास दिनांक 22.08.2026 को हो गया है। उठावनी (आज) दिनांक 24.08.2026 दिन सोमवार को महिलाओं/पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका, मसानी, लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

चौ. ब्रजेन्द्र अग्रवाल–नीतू
चौ. सुरेन्द्र अग्रवाल–दीप्ति (पुत्र–पुत्रवधू)
मंजू–देवेन्द्र गर्ग कसेरे (मथुरा), सरोज–मुकेश गोयल (भरतपुर)
अनुपमा–विवेक जैन (फिरोजाबाद) (पुत्री–दामाद)
खुशबू–लक्ष्य (वृंदावन) (पौत्री–दामाद)
चौ. बांके लाल, चौ. रामजी दास (भतीजे)
शुभम्–सेजल, स्पर्श (पौत्र–पौत्रवधू) महक, मंजरी (पौत्री)
एवं समस्त चौधरी परिवार

प्रतिष्ठान

• चौ. बाबूलाल–गोवर्धनदास सर्राफ • मै. श्री गिर्राज ज्वैलर्स
चौक बाजार, मथुरा

ससुराल पक्ष

नारायण दास अग्रवाल (जीएलए), राम किशोर अग्रवाल (केडी मेडिकल)
अशोक अग्रवाल, माधव अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, अनूप अग्रवाल (वृंदावन वाले)

मुख्यमंत्री योगी से वृंदा ग्रुप के चेयरमैन ने की भेंट

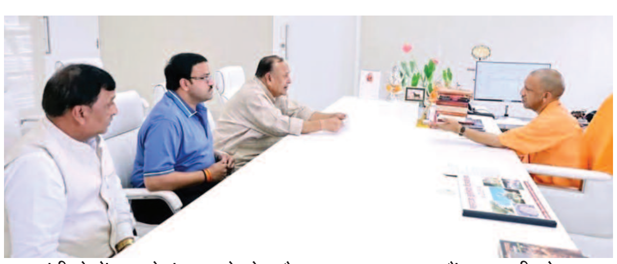

मुख्यमंत्री से भेंट करते वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल, साथ हैं एमएलसी ओमप्रकाश सिंह, केके गौतम।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शनिवार को वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल ने शिष्टाचार भेंट की। लखनऊ में हुई मुलाकात के दौरान प्रदेश के विकास, जनहित और विभिन्न समसामयिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा आने का न्यौता भी दिया।

भेंट के दौरान प्रदेश में संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर विचार–विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने सरकार की प्राथमिकताओं और आमजन के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा आने का दिया न्यौता

और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। शिष्टाचार भेंट के बाद उन्होंने मुलाकात को सकारात्मक बताया। भेंट के दौरान आपसी सहयोग और समन्वय की भावना प्रमुख रही। एमएलसी ओम प्रकाश सिंह ने भी अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की। उन्होंने जनसमस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा। बातचीत में प्रदेश के विकास के लिए बेहतर समन्वय और सहयोग बनाए रखने पर जोर दिया गया। मुलाकात के दौरान केके गौतम भी मौजूद रहे।

हिंदू–मुस्लिम की लड़ाई में देश फंसा दिया महंगाई में

महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करते अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। देश में बेलगाम बढ़ती महंगाई के विरोध में रविवार को अखिल भारतीय समता फाउंडेशन ने जिलाध्यक्ष रमेश सैनी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में भाजपा और मोदी सरकार की जन–विरोधी नीतियों के खिलाफ नारे लिखी तख्तियां लेकर महंगी चीनी, महंगा सरसों तेल, रसोई गैस, डीजल–पेट्रोल और खाने–पीने की वस्तुओं की बेतहाशा मूल्य वृद्धि के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार से महंगाई वापस लेने की मांग की।

इस अवसर पर रमेश सैनी और महासचिव नरेश चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि देशव्यापी महंगाई भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का दुष्परिणाम है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई में देश फंसा दिया महंगाई में सरकार जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाना चाहती है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमारी रसोई में आग लगा दी है। खाने–पीने की चीजें आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं, जो अब सबके बस की बात नहीं रही। विरोध प्रदर्शन में नरेश चौधरी, क्रांति कुमार, लेखराज, कुणाल डागोर, सिद्धांत भाटिया, इंजी. गौरव कुमार, आकाश बाबू, भोला कर्दम, चित्रसेन मौर्य, धर्मवीर सिंह, एडवोकेट विवेक कुमार, सौदान सिंह, कुमारी खुशी, गौस मोहम्मद, पिंकू, सरदार महेंद्र सिंह, सुमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 150 से अधिक मरीजों की जांच

शिविर में नेत्र की जांच करते चिकित्सक, पास खड़े हैं पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्व. हरीबाबू अग्रवाल की पुण्य स्मृति में भक्ति वेदांत अस्पताल वृंदावन और प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मेगा नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ। इसमें 150 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई। भक्ति वेदांत अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल चींचे के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम ने मरीजों की नेत्र जांच की। शिविर में सामान्य नेत्र परीक्षण के साथ रेटिना की जांच और अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क आई ड्रॉप्स भी वितरित किए गए। जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन कराने के लिए पंजीकरण किया गया।

शिविर संयोजक योगेश गोयल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक की ओर से भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जा सकें। कार्यक्रम में संरक्षक गोवर्धन दास अग्रवाल, ममता बिंदल, भागवत चौधरी, द्वारकेश कपड़े

मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन के लिए हुआ पंजीकरण, दवाएं भी बांटीं

वाले, अमृत लाल खंडेलवाल, अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, संस्थापक अमित अग्रवाल, मनोज बंसल, योगेश सराफ, पंकज टालीवाल, सुधीर अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने चिकित्सकीय-सहयोगी टीम के प्रति आभार जताया।

मथुरा कंप्यूटर ओलंपियाड में प्रिंस ने मारी बाजी

मथुरा कंप्यूटर ओलंपियाड के विजयी प्रतिभागियों के साथ आयोजक आदि।

एक हजार विद्यार्थियों ने लिया भाग, डिजिटल प्रतिभाओं को मिला मंच

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल में जन सांस्कृतिक मंच और केडिटी कंप्यूटर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मथुरा कंप्यूटर ओलंपियाड 2026 का आयोजन किया गया। जिले में पहली बार आयोजित ऑनलाइन मोबाइल परीक्षा में विभिन्न सीबीएसई और अन्य विद्यालयों के करीब एक हजार विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी तकनीकी समझ और डिजिटल दक्षता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बल्देव विधायक पूरन प्रकाश ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में तकनीकी सोच, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। विद्यालय प्रबंधक प्रो. अनुज विजय ने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सकारात्मक और जिम्मेदार उपयोग की जानकारी दी। प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह ने विद्यार्थियों को नई तकनीक सीखने और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता आईआईएलएम विश्वविद्यालय के महानिदेशक डॉ. हरिश चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को भविष्य की डिजिटल चुनौतियों के लिए तैयार रहने और निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया। जीएलए विश्वविद्यालय के डीन प्रो. अशोक भंसाली ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता की तकनीकी प्रमुख कल्पना गर्ग भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में जन सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष राज किशोर अग्रवाल, सचिव रवि भारद्वाज, स्वर्ण जयंती वर्ष अध्यक्ष डॉ. आरके चतुर्वेदी और समारोह प्रबंधक भूपेंद्र अग्रवाल ने व्यवस्थाएं संभालीं। प्रतियोगिता संयोजक- उमा मोटर्स के एमडी पवन चतुर्वेदी ने 'स्वच्छ ब्रज संकल्प' के तहत विद्यार्थियों और अतिथियों को ब्रज को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई।

प्रतियोगिता में रमनलाल शोरावाला इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंस कुमार प्रथम, दिल्ली पब्लिक स्कूल मथुरा रिफाइनरी नगर के सुप्रतीक महातो द्वितीय और ज्ञान दीप शिक्षा भारती के नितेश कुमार तृतीय रहे। दस अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। विजेताओं को ट्रॉफी, शील्ड और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

घूंघट की आड़ से दिलबर का दीदार अधूरा लगता है

हरियाली तीज उत्सव में नृत्यु करतीं अग्रवाल महिला सेवा ट्रस्ट की सदस्याएं।

हरियाली तीज पर झूले मल्हार और राष्ट्रभक्ति गीतों से सजी शाम

यूनिक समय, मथुरा। श्रीअग्रवाल महिला सेवा ट्रस्ट की ओर से हरियाली तीज उत्सव चित्रकूट, मसानी पर उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सावन की मल्हार, भक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों के साथ स्वाधीनता दिवस की भावना से जुड़े राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम भी हुए। महाराजा अग्रसेन और माता लक्ष्मी के जयकारों के बीच संस्थापक अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष पुष्पा बंसल, निदेशक प्रीति अग्रवाल, महामंत्री संगीता सर्राफ सहित पदाधिकारियों ने राधा–कृष्ण की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सावन की फुहारों और तीज की उमंग को महिलाओं ने गीत–संगीत के माध्यम से जीवंत कर दिया। मिथिलेश, अनीता और बीना ने राधा प्यारी की मल्हार प्रस्तुत की। कविता और रजनी अग्रवाल ने भोलेनाथ के भक्ति गीत पर प्रस्तुति दी। प्रीति अग्रवाल ने 'घूंघट की आड़ से दिलबर का दीदार अधूरा लगता है' गीत पर मनोहारी प्रस्तुति देकर तालियां बटोरीं। गजल, चित्रा, शालिनी बंसल, मंजू और स्नेह सिंघल ने भी गीत व मल्हार से समां बांधा।

राष्ट्रभक्ति गीतों पर महिलाओं की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में देशप्रेम का रंग भर दिया। रागिनी और शालिनी अग्रवाल ने हास्य नाटिका 'मिस्टर मिक्सर' से खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम संयोजिका सरिता अग्रवाल और नेहा अग्रवाल ने अतिथियों व सदस्यों का पटका पहनाकर स्वागत किया। पंक्चुअलिटी और हाउजी प्रतियोगिता के विजेताओं सहित प्रतिभागी महिलाओं को पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। संचालन महामंत्री संगीता सर्राफ ने किया। संस्थापक अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता ने आभार जताया। राष्ट्रगान और सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिले में 13 रसोइयों को सम्मान, सौंपे बढ़े मानदेय के चेक और आयुष्मान कार्ड

रसोइयों को सम्मानित करते विधायक पूरन प्रकाश, सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता साथ हैं बीएसए रतन कीर्ति।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ रसोइया सम्मान समारोह, कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत परिषदीय स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाले रसोइयों के सम्मान में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह और संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बल्देव विधायक पूरन प्रकाश ने 13 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय के चेक, आयुष्मान कार्ड और उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधायक पूरन प्रकाश,सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता,बीएसए रतन कीर्ति द्वारा किया गया। विधायक ने मछला, ज्ञानवती, ममता, योगेंद्र कुमार, बसंती देवी, कमलेश, हसीना, इंद्रा देवी, रामबेटी, सीता कुमारी, डोरी लाल, सकुनात और समीना को सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि स्कूलों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य विकास अधिकारी और बीएसए ने भी रसोइयों से संवाद किया और उनके अनुभव जाने। अधिकारियों ने रसोइयों के कार्य की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

बीएसए ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले के मुख्यालय और सभी तहसीलों में लखनऊ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी गिरिराज सिंह, राकेश कुमार, दिनेश कुमार त्रिपाठी, बुद्धसेन सिंह, कौशल कुमार, जिला समन्वयक अतुल पाठक, राहुल फोगाट, विक्रांत कुमार, आशीष भदौरिया, प्रगति मिश्रा, अंजुल शर्मा, स्टेट रिसोर्स ग्रुप के अमित कुमार अद्भुत, शिव कुमार और दिव्या मिश्रा सहित एआरपी, शिक्षक और बड़ी संख्या में रसोइये मौजूद रहे।

कोसी में व्यापारी की बेटी के अपहरण से उबाल,कल बैठक

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के एक व्यापारी की बेटी का दिनदहाड़े अपहरण होने की घटना ने व्यापारी समाज को झकझोर कर रख दिया है। घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से व्यापारियों में भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवार बेटी की सुरक्षित वापसी के लिए दर–दर भटक रहा है, लेकिन पुलिस प्रशासन की सुस्त कार्यशैली से व्यापारी समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि यह केवल एक परिवार का मामला नहीं है, बल्कि पूरे नगर की सुरक्षा और व्यापारी समाज की बेटियों की सुरक्षा का सवाल है। इसी गंभीर मामले को लेकर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल और सभी सहयोगी संगठनों ने एक अति आवश्यक बैठक बुलाई है। बैठक सोमवार को सायं सात बजे अग्रवाल धर्मशाला, सराय साही में आयोजित की जाएगी। व्यापारी नेता अंकित मालविया ने सभी व्यापारियों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में बैठक में पहुंचकर पीड़ित परिवार के साथ खड़े हों और पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग को लेकर अपनी एकजुटता दिखाएं।

जुलूस–ए–मोहम्मद को लेकर पीस कमेटी की बैठक

यूनिक समय, सुरीर। थाना परिसर में जुलूस–ए–मोहम्मदी के आयोजन को लेकर रविवार शाम पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में एसडीएम मांट चंद्रभूषण प्रताप, सीओ मांट अमरनाथ यादव और थाना प्रभारी सहित पुलिस–प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जुलूस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने भी मौजूद रहे। सुरीर, तेहरा, कराहरी, इरौली, जून्नारदार आदि क्षेत्रों से आए ग्रामीणों में,नसीर खान, आवेदन वतन, आयर हुसैन, पप्पू खान, इस्लाम खान, इरफान खान, विशाल खान सहित अन्य लोगों ने बैठक में भाग लिया। सभी ने जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से निकाले जाने का भरोसा दिया। अधिकारियों ने जुलूस के दौरान शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं। अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की गई।

श्रीनाथजी धाम में राधा–कृष्ण का भव्य ब्यावला

ठाकुरजी की बारात में शामिल अग्रवाल क्लब परिवार की सदस्याएं।

अग्रवाल क्लब परिवार ने पहली बार वैदिक परंपरा से मनाया विवाह मनोरथ

यूनिक समय, मथुरा। अग्रवाल क्लब परिवार की ओर से पहली बार श्रीनाथद्वारा में भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी का ब्यावला मनोरथ वैदिक विधि–विधान, सनातन परंपराओं के साथ भव्यता से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विवाह की विभिन्न रस्मों का उसी भाव और श्रद्धा के साथ आयोजन किया गया, जिस तरह पारंपरिक वैवाहिक समारोह में किया जाता है। क्लब के सदस्यों ने उत्साह और भक्ति भाव से सभी रस्मों में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आठ अगस्त को मथुरा में सदस्यों को निमंत्रण देने के साथ हुई। 16 अगस्त को मेहंदी, राधारानी की लगन पत्रिका लेखन और झूलन उत्सव आयोजित किया गया। इसके बाद 19 अगस्त को सभी सदस्य श्रीनाथद्वारा पहुंचे। यहां ठाकुर कृष्ण कन्हैया की लगन चढ़ाई गई और तेल–हल्दात की रस्म हुई। धीरज-सीमा गोयल ने वधू पक्ष, योगेश- राधिका अग्रवाल ने वर पक्ष की ओर से सदस्यों को भात पहनाया।

शाम को महिला संगीत हुआ। महिलाओं और बच्चों ने ठाकुरजी के भजनों पर मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। 20 अगस्त को हल्दी की रस्म के बाद ठाकुरजी की बैंड–बाजे के साथ भव्य बारात निकली। ग्वालिन स्वरूप सखियां फूलों की पंखुड़ियां बरसाती हुई आगे चल रही थीं। पुरुष साफा बांधकर सखाओं के स्वरूप में और महिलाएं सोलह श्रृंगार कर शामिल हुईं। बारात के पहुंचने पर वधू पक्ष ने वर पक्ष का स्वागत किया।

इसके बाद तिलक, जयमाला और ब्यावला मनोरथ की रस्में संपन्न हुईं। सदस्यों ने राधारानी का कन्यादान लेकर स्वयं को धन्य माना। भजन संध्या हुई, सभी को श्रीनाथजी की प्रसादी और रस्मों के अनुरूप उपहार वितरित किए गए।

कार्यक्रम में अध्यक्ष दिलीप नीतू गर्ग, सचिव शोमित शिल्पा अग्रवाल, उपाध्यक्ष गौरव दीपा अग्रवाल, नितिन मोहिनी अग्रवाल, चिराग प्रीति अग्रवाल, दीपक रीना अग्रवाल, मनीष गुंजन अग्रवाल, कृष्ण मुरारी सुनीता अग्रवाल, दशरथ सीमा गुप्ता, शैलेंद्र वंदना अग्रवाल, नितिन गीतू अग्रवाल, पवन राधिका अग्रवाल, योगिता नीरज तायल, नेहा तनु गर्ग, विभोर निकिता तायल, कौशल निकिता अग्रवाल, अनुज करिश्मा बंसल, पुलकित नीलम अग्रवाल, संतोष रेखा सिंघल,रितेश राखी मित्तल, विनोद अनामिका, विवेक प्रीति अग्रवाल जीएलए, मनीष मोनिका अग्रवाल, प्रसून नमीता अग्रवाल, अभिषेक स्वाति अग्रवाल, नीरज दीप्ति अग्रवाल, नितेश निशा गर्ग, सीमा धीरज गोयल,राधिका योगेश अग्रवाल, शिल्पा शोमित अग्रवाल, मनीष मिनी बिंदल, विशाल पारुल अग्रवाल,मोनू राधिका मुकुटवाला, अशोक राधिका अग्रवाल, नीतांशु मेघा अग्रवाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

बदरिया बरसे श्याम नहीं आए, भजनों पर झूमे भक्त

गौरी गोपाल आश्रम में भजन संध्या का आनंद लेते श्रद्धालु।

गौरी गोपाल आश्रम में साधु सेवा, प्रसादी और भजन संध्या आयोजित

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर केशव देव के भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में साधु सेवा और भजन संध्या का आयोजन किया गया। साधुओं और श्रद्धालुओं के लिए पूरे दिन प्रसादी एवं मिष्ठान की व्यवस्था की गई। सभी ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण कर ठाकुरजी का आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत ठाकुर केशव देव की छवि और ठाकुर गौरी गोपाल के चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद मंदिर परिसर में भगवान गौरी गोपाल को आकर्षक हिंडोले में विराजमान कर झूला झुलाया गया। भजन गायकों ने ठाकुरजी के समक्ष सावन और भक्ति भाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी।

भजन गायक मनमोहन आगरा ने 'बदरिया बरसे श्याम नहीं आए' भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बनवारी लाल शर्मा ने 'काली घटा उठी घनघोर, रिमझिम बरसे पानी' की प्रस्तुति दी। दीपक शर्मा ने 'झूला तो झूले रानी राधिका' भजन सुनाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अन्य भक्तों ने भी एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की धुन पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस मौके पर राजकुमार अग्रवाल, राजीव गुप्ता, राजकुमार कपड़ा वाले, वेद प्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश शास्त्री, रोहित तिवारी और अंगद तिवारी सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

डिजिटल वर्ल्ड में खोए बच्चों की सेहत पर बड़ा संकट

यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल दुनिया में खोए बच्चों की सेहत पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। टीवी और फोन पर घंटों चिपके रहने से बच्चों का बाहर खेलना लगभग खत्म हो गया है। ब्रिटेन की एक्सेटर यूनिवर्सिटी की रिसर्च बताती है कि 34% बच्चे कभी बाहर नहीं निकलते और केवल हर पांच में से एक बच्चा ही बाहर खेलता है। बाहर खेलने वाले बच्चों की सोशल स्किल, घर में कैद बच्चों से 60% बेहतर पाई गई।

भारत की स्थिति और भी चिंताजनक है। देश में 45% बच्चे ओवरवेट हैं। 28% बच्चे बिल्कुल भी शारीरिक गतिविधि नहीं करते और 67% रोज एक घंटे से भी कम समय बाहर बिताते हैं। इसके चलते मोटापा, डायबिटीज़, हाइपरटेंशन और कमजोर नज़र जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय बच्चों की औसत लंबाई भी घट रही है और मोटापे के मामलों में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों की ग्रोथ पर कई कारक असर डालते हैं–जिनमें जेनेटिक कारण, न्यूट्रिशन की कमी, वर्कआउट की कमी, खराब पॉश्चर और कमजोर इम्यूनिटी शामिल हैं।

अलावा जंकफूड, गैजेट्स की लत और ज्यादा स्क्रीन टाइम भी लंबाई और सेहत को बिगाड़ते हैं। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने वाले बच्चों में अटेंशन–डेफिसिट, कमजोर कंसंट्रेशन, ऑटिज्म, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं।

योगगुरु स्वामी रामदेव बच्चों की अच्छी ग्रोथ और सेहत के लिए खास उपाय सुझाते हैं। उनका कहना है कि बच्चों को रोजाना कम से कम आधा

स्वामी रामदेव के उपायों से बच्चों की ग्रोथ और सेहत बढ़ाएं

घंटा आउटडोर गेम खेलना चाहिए। 30 मिनट योग और सुबह की धूप बेहद जरूरी है।

डाइट में प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर चीजें शामिल करें जैसे दूध, शतावर, केला शेक, खजूर और अंजीर। जंकफूड और पैकेज्ड फूड पूरी तरह बंद कर दें और घर का ताज़ा खाना खिलाएं।

वजन नियंत्रित रखने के लिए स्पोर्ट्स और वर्कआउट को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। वहीं, बच्चों को जल्दी सोने और जल्दी उठने की आदत डालना भी जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के छोटे–छोटे बदलाव बच्चों को न सिर्फ बीमारियों से बचाएंगे, बल्कि उनकी लंबाई और मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर डालेंगे।

पेशावरी खीर के दुनियाभर में हैं लाखों दीवाने

खाने में रबड़ी से भी ज्यादा स्वादिष्ट

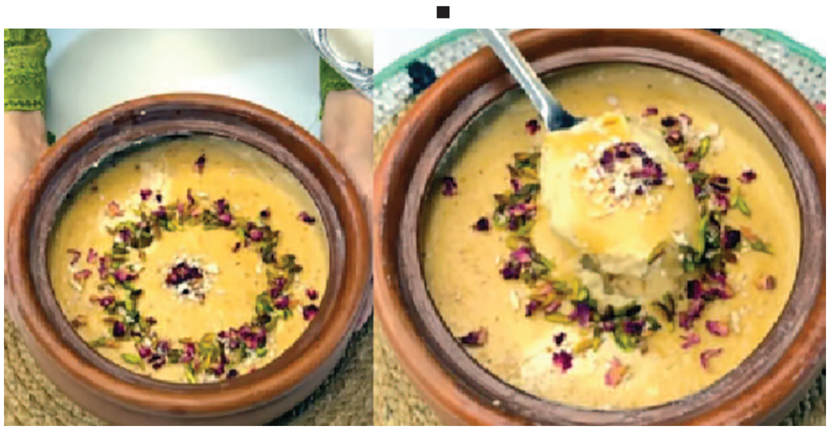

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों पर मीठे व्यंजन बनाने की परंपरा बहुत पुरानी है। जब बाजार में मिठाइयों की इतनी वैराइटी नहीं थी, तब घरों में हलवा और खीर ही सबसे ज्यादा बनती थी। खीर का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। दूध और चावल से बनी खीर जितनी सरल है, उतनी ही स्वादिष्ट भी। अगर आप खीर के शौकीन हैं, तो एक बार पेशावर की फेमस खीर ज़रूर ट्राई करें। इसका स्वाद इतना लाजवाब है कि इसे खाने वाले कहते हैं कि यह रबड़ी से भी ज्यादा टेस्टी लगती है। यही कारण है कि दुनियाभर में इसके लाखों दीवाने हैं।

बनाने की आसान रेसिपी : सबसे पहले एक कटोरी उबले हुए पके चावल लें। इन्हें मिक्सर में डालकर 4 रस्क (टोस्ट), आधा कटोरी मिल्क पाउडर और आधा कप गाढ़ा दूध डालें। इसे अच्छे से पीस लें ताकि बिना किसी गांठ वाला स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए।

अब एक गहरे और भारी तली वाले बर्तन में 1 लीटर दूध डालें। इसमें स्वादानुसार चीनी, भीगे हुए केसर के धागे, इलायची पाउडर और बारीक कटे मेवे डालें। दूध को मध्यम आंच पर करीब 10 मिनट तक उबालें।

अब इसमें तैयार किया हुआ चावल और रस्क वाला पेस्ट डालें। इसे धीरे–धीरे डालते हुए लगातार चलाते रहें ताकि गांठ न बने। इस मिश्रण को करीब 10–15 मिनट तक पकाएं जब तक खीर थोड़ी गाढ़ी न हो जाए।

अब एक पैन में 2 बड़े चम्मच चीनी डालकर कैरामेल तैयार करें। चीनी को बिना हिलाए धीमी आंच पर पिघलने दें। जब यह गोल्डन ब्राउन होकर सीरप बन जाए तो तुरंत खीर में डालकर अच्छे से मिलाएं।

आपकी पेशावरी खीर तैयार है। इसे एक बर्तन में निकालें और ऊपर से कटे हुए नट्स और गुलाब की सूखी पंखुड़ियां सजाएं। फिर इसे 4–5 घंटे के लिए फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडी खीर का स्वाद दोगुना बढ़ जाएगा।

पेशावर की यह खीर गाढ़ी, मलाईदार और बेहद लाजवाब होती है। इसका अनोखा स्वाद आपको एक बार जरूर ट्राई करना चाहिए। त्योहारों के मौके पर या खास मेहमानों के लिए यह डिश परफेक्ट मिठाई साबित हो सकती है।

घर पर आसानी से उगाएं इलायची का पौधा

यूनिक समय, मथुरा। इलायची सिर्फ खाने–पीने के स्वाद को बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। अगर आप गार्डनिंग के शौक़ीन हैं, तो यह जानकर खुशी होगी कि अब आप घर पर भी गमले में इलायची का पौधा उगा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके आसान तरीके के बारे में।

सबसे पहले, आपको ताज़ी इलायची के दाने लेने होंगे। इन्हें हल्का सा छीलकर बीज निकाल लें और साफ पानी से धो दें। इसके बाद इन बीजों को रात भर पानी में भिगोकर रखें। सुबह इन्हें अच्छे से सुखा लें। ध्यान रहे कि बीज पूरी तरह से सूखे होने चाहिए, क्योंकि नमी से बीज सड़ सकते हैं। पौधे को लगाने के लिए मिट्टी तैयार करना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए बालू, उपजाऊ मिट्टी, जैविक खाद और कोकोपिट को बराबर मात्रा में मिलाएँ। कोकोपिट की मात्रा अधिक होने से मिट्टी में नमी बनी रहती है, जो इलायची के लिए अनुकूल होती है। तैयार मिट्टी को गमले में भरें और इसके ऊपर बीज डालकर हल्का पानी छिड़क दें।

इलायची के पौधे की देखभाल भी आसान है। दिन में एक बार पानी दें और महीने में एक बार जैविक खाद डालना न भूलें। यह पौधा 10 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में आसानी से उग सकता है। दो से तीन महीने के अंदर पौधा नज़र आने लगेगा, जबकि फल देने के लिए पौधे को तीन से चार साल का समय लग सकता है। इस आसान प्रक्रिया से आप न केवल घर पर ताज़ी इलायची उगा सकते हैं, बल्कि बाजार में इसे खरीदने की ज़रूरत भी नहीं पड़ेगी। गमले में उगाए गए पौधे घर के वातावरण को भी ताज़गी और खुशबू प्रदान करते हैं।

घर पर इलायची उगाना न सिर्फ गार्डनिंग का मज़ा बढ़ाता है, बल्कि यह आपके खाने–पीने में भी ताज़गी और प्राकृतिक स्वाद जोड़ता है। इसलिए अगर आप भी अपनी रसोई में ताज़ी इलायची चाहते हैं, तो अभी से यह तरीका अपनाएं और अपने घर में हरा–भरा इलायची का पौधा उगाएँ।

भीड़-भाड़ से दूर, इन हिल स्टेशनों पर मिलेगा सुकून और शांति

यूनिक समय, मथुरा। शहरों की भीड़–भाड़ और प्रदूषण से थक चुके लोग अक्सर छुट्टियों में पहाड़ों का रुख करते हैं। पहाड़ों की ठंडी हवा और प्राकृतिक सुंदरता सुकून तो देती है, लेकिन अब वहां भी पर्यटकों की भीड़ और घंटों तक लगे ट्रैफिक जाम से परेशानी बढ़ने लगी है। कई बार लोग 5–6 घंटे जाम में फंसे रहते हैं, जिससे उनकी छुट्टियों का मज़ा किरकिरा हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अब भी ऐसे हिल स्टेशन बचे हैं जहां भीड़–भाड़ और ट्रैफिक से दूर सुकून का समय बिताया जा सके? जवाब है– हां। भारत में कुछ ऐसी खूबसूरत जगहें हैं जहां पूरे साल भीड़ कम रहती है और आप पार्टनर या परिवार के साथ हसीन पल बिता सकते हैं।

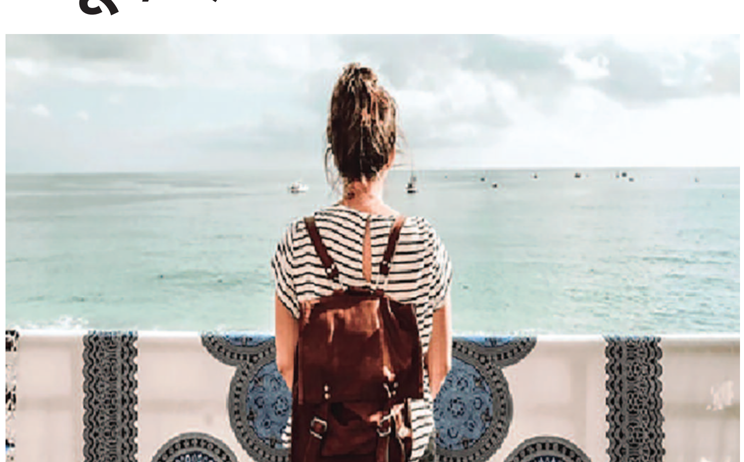

तमिलनाडु में स्थित कोटागिरी, उटी का बेहतरीन विकल्प माना जाता है। यह जगह अपने हरे–भरे वातावरण और शांति के लिए मशहूर है। यहां पर्यटकों की भीड़ ऊंटी की तरह नहीं रहती, जिससे लंबा जाम झेलने की परेशानी नहीं होती। कोटागिरी तक पहुंचने के लिए दिल्ली जैसे बड़े शहरों से ट्रेन लेनी पड़ती है। यहां पहुंचकर स्कूटी या बाइक रेंट पर लेकर आराम से घूमने का मज़ा लिया जा सकता है।

अगर आप शांत और खूबसूरत जगह की तलाश में हैं तो सिक्किम आपके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। यहां ट्रैफिक और भीड़–भाड़ से ज्यादा सामना नहीं करना पड़ता। हालांकि मानसून के मौसम में यहां जाना मुश्किल हो सकता है, लेकिन बाकी समय यह जगह पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता और सुकून से भरपूर अनुभव कराती है। सिक्किम थोड़ा महंगा पड़ सकता है, लेकिन यहां का अनुभव हर पैसे की कीमत वसूल कर देता है। महाराष्ट्र में स्थित खंडाला घाटी भीड़ से दूर सुकून के लिए जानी जाती है। यहां ना तो नैनीताल और मसूरी जैसी भीड़ है, और ना ही लंबा जाम। खूबसूरत घाटियां और रोड ट्रिप का अनुभव इसे और खास बना देता है। बजट में घूमने वाले लोगों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है।

अगर आप अपनी अगली ट्रिप प्लान कर रहे हैं और भीड़–भाड़ से दूर शांति चाहते हैं तो कोटागिरी, सिक्किम और खंडाला जैसे हिल स्टेशन आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। यहां आप न सिर्फ ट्रैफिक से बचेंगे बल्कि प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल भी बिता सकेंगे।

सुविचार

परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता, समय आने पर वही सफलता का आधार बनता है।

— अटल बिहारी वाजपेयी

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	02:00-04:19 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	05:44-08:28 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:54 AM	चन्द्रोदय	03:45 PM
सूर्यास्त		6:50 PM	चंद्रास्त	03:45 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:18-05:06
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:13 PM: 06:50 PM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

चमोली के गोपेश्वर में गोपी रूप में पूजे जाते हैं महादेव

प्रकृति की गोद में विराजमान हैं प्राचीन गोपीनाथ मंदिर

विशाल अष्टधातु का त्रिशूल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

गोपी रूप धारण करने की जुड़ी है मान्यता

रुद्रनाथ की शीतकालीन पूजा यहीं होती है

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड के चमोली जिले की सुरम्य वादियों में स्थित श्री गोपीनाथ मंदिर धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम है। भगवान शिव को समर्पित यह प्राचीन मंदिर अपनी मान्यताओं, ऐतिहासिक वास्तुकला और विशाल अष्टधातु त्रिशूल के लिए प्रसिद्ध है। सावन के दौरान यहां देशभर से श्रद्धालु महादेव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

गोपेश्वर नगर के मध्य स्थित यह मंदिर कत्युरी राजवंश काल की स्थापत्य परंपरा की झलक दिखाता है। मंदिर की वास्तुकला नागर शैली से प्रभावित है। गर्भगृह तक पहुंचने के लिए 24 द्वार बनाए गए हैं।

मंदिर परिसर में स्थापित विशाल अष्टधातु त्रिशूल श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण है। मान्यता है कि यह त्रिशूल प्राचीन काल से यहां स्थापित है और भगवान शिव से जुड़ी पौराणिक कथा का प्रतीक माना जाता है।

गोपीनाथ मंदिर की सबसे खास पहचान भगवान शिव के गोपी रूप से जुड़ी मान्यता है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान कृष्ण जब वृंदावन में महारास कर रहे थे, तब उनकी बांसुरी की धुन सुनकर भगवान शिव भी रास में शामिल होने पहुंचे। रास में पुरुषों का प्रवेश नहीं था, इसलिए शिव ने गोपी का रूप धारण किया। इसी मान्यता के कारण यहां महादेव को गोपी रूप में पूजने की परंपरा जुड़ी हुई है।

एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान शिव ने यहां तपस्या की थी। तपस्या भंग करने के प्रयास में कामदेव ने हस्तक्षेप किया तो शिव ने अपना त्रिशूल उनकी ओर फेंका। मान्यता है कि वही त्रिशूल आज भी मंदिर परिसर में स्थापित है। गोपीनाथ मंदिर का संबंध पंचकेदार में शामिल भगवान रुद्रनाथ से भी माना जाता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रुद्रनाथ मंदिर के कपाट बंद होने पर भगवान की उत्सव डोली और प्रतीकात्मक विग्रह को गोपीनाथ मंदिर लाया जाता है। यहां शीतकाल के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना होती है। धार्मिक महत्व के साथ आसपास की हिमालयी वादियां पर्यटकों को भी आकर्षित करती हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

सूखे पेड़ पर कुल्हाड़ी चलाने से पहले देख लें नक्षत्र

दस नक्षत्रों में वृक्ष काटना वास्तु के अनुसार है शुभ

पूजा के बाद विधि से वृक्ष हटाने की है परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। वृक्ष काटने का समय और विधि भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों को प्रकृति और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा गया है। यही वजह है कि सूखा, अनुपयोगी या किसी तरह की बाधा उत्पन्न करने वाले पेड़ को हटाने से पहले समय और विधि का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि पेड़ को अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय नहीं काटना चाहिए।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार पेड़ काटने के लिए कुछ विशेष नक्षत्रों को अनुकूल माना गया है। इनमें मृगशिरा, पुनर्वसु, अनुराधा, हस्त, मूल, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, स्वाति और श्रवण नक्षत्र शामिल हैं। मान्यता के अनुसार इन नक्षत्रों में सूखे या अनुपयोगी वृक्ष को हटाने का कार्य किया जा सकता है। हालांकि धार्मिक मान्यताओं के साथ पेड़ काटने से जुड़े स्थानीय प्रशासनिक और पर्यावरणीय नियमों का पालन भी आवश्यक है।

वास्तु परंपरा में वृक्ष काटने से पहले उसकी पूजा करने का विधान बताया गया है। इसके लिए गंध, पुष्प और नैवेद्य अर्पित कर वृक्ष की पूजा की जाती है। इसके बाद तने को साफ कपड़े से ढककर सफेद सूत लपेटने की परंपरा बताई गई है। पूजा के दौरान वृक्ष पर रहने वाले जीव-जंतुओं के कल्याण की कामना की जाती है और उनसे सुरक्षित स्थान पर चले जाने की प्रार्थना की जाती है।

पूजा के बाद वृक्ष को जल अर्पित करने की बात कही गई है। वास्तु मान्यता के अनुसार इसके बाद मधु और घी लगाए हुए कुल्हाड़े से वृक्ष काटने का विधान है। पेड़ को पूर्व दिशा से उत्तर दिशा की ओर बढ़ते हुए चारों तरफ से काटने की परंपरा बताई गई है।

हालांकि आधुनिक दृष्टि से पेड़ काटना पर्यावरण से जुड़ा गंभीर विषय है। इसलिए किसी भी वृक्ष को हटाने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वह वास्तव में सूखा या खतरनाक है और स्थानीय कानून के अनुसार आवश्यक अनुमति भी प्राप्त हो।

रोटी के बाद तवा उल्टा रखना पड़ेगा भारी

वास्तु में तवे को राहु ग्रह से जोड़ा जाता है

साफ करके तवा सीधा रखना माना जाता है शुभ

यूनिक समय, मथुरा। रसोई में इस्तेमाल होने वाला तवा केवल खाना बनाने का बर्तन नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र में तवे को लेकर भी कई मान्यताएं बताई गई हैं। कहा जाता है कि रोटी या पराठे बनाने के बाद तवे को उल्टा रखने से बचना चाहिए। हालांकि ये बातें धार्मिक और वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं।

वास्तु के अनुसार तवे का संबंध राहु ग्रह से माना गया है। इसलिए इसके रखरखाव और इस्तेमाल को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि तवे को उल्टा रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है और परिवार में तनाव या अनावश्यक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

रोटी बनाने के बाद तवे को अच्छी तरह साफ करके सुखाने और सीधा रखने की परंपरा बताई गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उल्टा तवा रखने से आर्थिक परेशानियां, अनावश्यक खर्च और घर में मतभेद बढ़ सकते हैं। इसे राहु के प्रतिकूल प्रभाव से भी जोड़ा जाता है।

वास्तु मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि तवे को ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां बाहर से आने वाले व्यक्ति की सीधी नजर उस पर न पड़े। हालांकि इन दावों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, परिवार में सुख बढ़ेगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभः धन लाभ के अवसर मिलेंगे, नौकरी में प्रगति होगी, वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा, पारिवारिक विवाद दूर होंगे।

मिथुनः महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे, व्यापार में लाभ मिलेगा, रुका धन प्राप्त होगा, मित्र सहयोग करेंगे और यात्रा सुखद रहेगी।

कर्कः मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, कार्यस्थल पर सम्मान बढ़ेगा, आर्थिक लाभ होगा, परिवार में खुशी आएगी और तनाव घटेगा।

सिंहः नए अवसर सामने आएंगे, व्यापारिक योजनाएं सफल होंगी, धन लाभ होगा, अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी।

कन्याः नौकरी में बदलाव के योग हैं, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, अधूरे कार्य पूरे होंगे, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और मित्रों से सहयोग मिलेगा।

तुलाः व्यापार में नई संभावना बनेगी, आय बढ़ेगी, दांपत्य जीवन मधुर रहेगा, महत्वपूर्ण निर्णय सफल होंगे और यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिकः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, धन संबंधी समस्या दूर होगी, परिवार का सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनुः आर्थिक लाभ के साथ नई जिम्मेदारी मिलेगी, व्यवसाय में विस्तार होगा, रिश्तों में मधुरता आएगी और यात्रा से लाभ होगा।

मकरः रुके कार्य गति पकड़ेंगे, नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं, निवेश लाभ देगा, परिवार में शांति रहेगी और स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुंभः मेहनत से सफलता मिलेगी, आय के नए स्त्रोत बनेंगे, कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा बढ़ेगी, परिवार में सहयोग मिलेगा और तनाव कम होगा।

मीनः व्यापार में लाभ होगा, महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे होंगे, प्रेम संबंध मजबूत होंगे, धन की स्थिति सुधरेगी और मन शांत रहेगा।

दुर्लभ फूलों और मेवों से हुआ बाबा श्याम का मनोहारी श्रृंगार

खाटूधाम में बाबा श्याम का दो दिवसीय मेला शुरू

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 650 से अधिक जवान तैनात

मंदिर के कपाट दिन-रात खुले रहेंगे

यूनिक समय, मथुरा। विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी धाम में बाबा श्याम का दो दिवसीय मासिक मेला रविवार से शुरू हो गया। श्रावण मास की पुत्रदा एकादशी और रविवार के संयोग के चलते इस बार देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सुबह से ही रींगस से खाटूधाम तक पदयात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही।

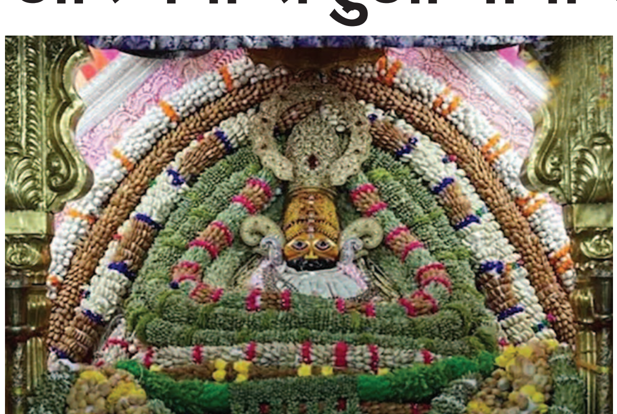

एकादशी के विशेष अवसर पर बाबा श्याम का कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए दुर्लभ फूलों और मेवों से भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार आरती के दौरान बाबा श्याम का अलौकिक स्वरूप देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। गर्मी को देखते हुए मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी और गुलाब जल का छिड़काव कराया जा रहा है। मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर के कपाट दोपहर और रात में बंद नहीं किए जाएंगे। केवल बाबा श्याम के श्रृंगार के समय कुछ देर के लिए कपाट बंद रहेंगे। द्वादशी के दिन शयन आरती के बाद मेले का समापन होगा। मंदिर समिति और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। भीड़ के दबाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है। पुलिस, गृह रक्षक, आरएसी जवान और मंदिर के सेवक सहित 650 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार जांगिड़ और थाना प्रभारी इंद्राज मरोड़िया के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था संभाली जा रही है। नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। मान्यता है कि बाबा श्याम महाभारतकालीन बर्बरीक के स्वरूप हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें कलियुग में श्याम नाम से पूजे जाने और हारे हुए लोगों का सहारा बनने का वरदान दिया था। इसी कारण श्रद्धालु उन्हें 'हारे का सहारा' मानकर श्रद्धा से पूजते हैं।

सम्पादकीय

यूपी में नौकरी का टिकट मेहनत से कब मिलेगा!

सरकारी नौकरी उत्तर प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए केवल रोजगार नहीं, बल्कि परिवार की उम्मीद और वर्षों की मेहनत का परिणाम होती है। गांव से शहर तक युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। कोई खेत में काम करने के बाद किताब खोलता है तो कोई छोटे कमरे में रहकर दिन–रात पढ़ाई करता है। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया में जुगाड़, पैसे और पहचान के आरोप सामने आएं तो चोट केवल एक अभ्यर्थी को नहीं, पूरे युवा समाज को लगती है।

मध्य प्रदेश पुलिस बैंड भर्ती में कथित तौर पर 'चार बजे की ट्रेन' और 'पांच बजे की ट्रेन' जैसे संकेतों में रकम की बातचीत का मामला सामने आया है। यह खबर उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए भी चिंता पैदा करती है। सवाल यह नहीं कि ट्रेन कितने बजे चली, सवाल यह है कि सरकारी नौकरी की ट्रेन में टिकट किसका कट रहा है–मेहनत करने वाले का या जेब भारी रखने वाले का?

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को लेकर युवाओं की सबसे बड़ी अपेक्षा यही रहती है कि नियम स्पष्ट हों, परीक्षा निष्पक्ष हो और परिणाम पर किसी को संदेह न हो। प्रदेश में लाखों युवा शिक्षक, पुलिस, लेखपाल, अधीनस्थ सेवाओं और अन्य सरकारी नौकरियों के लिए वर्षों तैयारी करते हैं। एक परीक्षा में देरी या प्रक्रिया में अस्पष्टता उनकी उम्र और अवसर दोनों पर असर डालती है। यूपी के छोटे शहरों और कस्बों में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं की जिंदगी देखिए। कमरे का किराया, भोजन, किताबें, यात्रा और आवेदन शुल्क–हर खर्च परिवार उठाता है। अभ्यर्थी असफल होता है तो फिर तैयारी करता है। लेकिन यदि उसे यह लगे कि चयन की कुंजी उसकी उत्तर पुस्तिका में नहीं, किसी प्रभावशाली व्यक्ति के पास है, तो निराशा गहरी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया की सबसे बड़ी पूंजी पारदर्शिता होनी चाहिए। हर पद की संख्या स्पष्ट हो, पात्रता के नियम पहले से साफ हों, परीक्षा और साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक हो और शिकायतों की स्वतंत्र जांच हो। किसी भी भर्ती में ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए कि अभ्यर्थी को अपने चयन के लिए किसी अधिकारी या बिचौलिए की तलाश करनी पड़े। सरकारी नौकरी सरकारी कृपा नहीं, समान अवसर की व्यवस्था है। जिस युवक ने वर्षों मेहनत की है, उसे भरोसा होना चाहिए कि उसकी योग्यता किसी सिफारिश या पैसे से छोटी नहीं है। उत्तर प्रदेश के युवाओं को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां नौकरी का टिकट किसी 'कोडवर्ड' से नहीं, परीक्षा की योग्यता से मिले। जहां चयन सूची देखकर सवाल न उठें, बल्कि भरोसा पैदा हो। यूपी के युवा नौकरी की भीख नहीं मांग रहे, वे अपने परिश्रम का निष्पक्ष परिणाम मांग रहे हैं। व्यवस्था को बस इतना करना है–ट्रेन समय पर चलाए और टिकट मेहनत के नाम पर काटे।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

जिनपिंग आएं तो संवाद हो, सीमा पर पहरा भी हो

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को लेकर कूटनीतिक हलचल तेज है। सितंबर में होने वाला 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए केवल बहुपक्षीय बैठक नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच अपनी रणनीतिक ताकत दिखाने का अवसर भी होगा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मेलन में आने की संभावना है और जिनपिंग के भी भारत पहुंचने की तैयारियों की खबरें सामने आ रही हैं। यदि यह यात्रा होती है तो भारत और चीन के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। मगर इसी के साथ एक जरूरी सवाल भी खड़ा होता है–क्या नई दिल्ली को सीमा पर अपनी चौकसी और बढ़ा देनी चाहिए?

इस सवाल का जवाब भावनाओं से नहीं, अनुभवों से तलाशना होगा। भारत और चीन के संबंधों में एक अजीब विरोधाभास हमेशा दिखाई देता रहा है। राजधानी में बातचीत का माहौल बनता है, संबंध सुधारने के बयान आते हैं, व्यापार बढ़ाने की बातें होती हैं और उसी समय वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव की खबरें सामने आ जाती हैं। यह जरूरी नहीं कि हर बार ऐसा ही हो, लेकिन अतीत के अनुभव इतने हैं कि भारत को किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला क्षेत्र में चीनी सैनिकों की गतिविधि का मामला सामने आया था। इसके बाद वर्ष 2013 में तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग की भारत यात्रा से पहले पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों के जमावड़े ने दोनों देशों को आमने–सामने ला दिया। कई दिनों तक गतिरोध बना रहा। वर्ष 2014 में शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान भी लद्दाख में चीनी गतिविधियों को लेकर तनाव की स्थिति पैदा हुई थी।

इन घटनाओं को आधार बनाकर यह कहना उचित नहीं होगा कि जिनपिंग की हर यात्रा के आसपास चीन सीमा पर कोई नई चाल चलेगा। अंतरराष्ट्रीय संबंध इतने सरल समीकरणों पर नहीं चलते। फिर भी इतिहास को पूरी तरह भुला देना भी बुद्धिमानी नहीं होगी। राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल सिद्धांत ही यही है कि संभावित खतरे की आशंका को नजरअंदाज करने के बजाय उसके लिए पहले से तैयारी रखी जाए। भारत के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह चीन के साथ बातचीत और सीमा सुरक्षा को एक–दूसरे का विकल्प न माने। दोनों काम साथ चल सकते हैं। बल्कि मजबूत सीमा सुरक्षा ही भारत को बातचीत की मेज पर अधिक आत्मविश्व ास देती है। जिस देश को अपनी सीमाओं की सुरक्षा पर भरोसा होता है, वह पड़ोसी से बातचीत भी अधिक मजबूती से कर सकता है।

इसलिए जिनपिंग की संभावित यात्रा के दौरान सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता को किसी आक्रामक कदम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह सामान्य सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। सीमा की अग्रिम चौकियों पर पर्याप्त सैनिक, आवश्यक उपकरण, विश्वसनीय संचार व्यवस्था, बिजली, सड़क और रसद की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। ऊंचाई वाले दुर्गम क्षेत्रों में तैनात जवानों तक जरूरत का सामान समय पर पहुंचाना केवल सैनिक सुविधा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है।

सीमा पर निगरानी व्यवस्था को भी लगातार मजबूत करने की जरूरत है। आधुनिक तकनीक ने सीमा प्रबंधन के तौर–तरीके बदल दिए हैं। उपग्रह आधारित निगरानी, मानवरहित यंत्र, अत्याधुनिक कैमरे और संचार साधन सीमा पर होने वाली गतिविधियों की समय रहते जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी, जब उसके साथ प्रशिक्षित मानवबल और तत्काल निर्णय लेने की व्यवस्था भी मौजूद हो।

सबसे महत्वपूर्ण है–नीति की स्पष्टता। सीमा पर तैनात जवानों को यह साफ होना चाहिए कि किसी भी असामान्य स्थिति में उन्हें किस स्तर पर और किस प्रकार प्रतिक्रिया देनी है।

शांति समझौतों का सम्मान जरूरी है, लेकिन समझौतों का अर्थ यह नहीं कि कोई पक्ष एकतरफा दबाव बनाने की कोशिश करे और दूसरा केवल प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा करता रहे। भारत को शांति की प्रतिबद्धता के साथ अपनी सुरक्षा क्षमता का भी प्रदर्शन करना होगा।

यहां एक और पहलू महत्वपूर्ण है। चीन भारत का केवल सीमा विवाद वाला पड़ोसी नहीं है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध हैं, वैश्विक मंचों पर सहयोग के क्षेत्र हैं और कई ऐसे विषय हैं जिन पर संवाद जरूरी है। इसलिए हर चीनी गतिविधि को टकराव की दृष्टि से देखना भारत के हित में नहीं होगा। लेकिन इसके उलट चीन के साथ आर्थिक या कूटनीतिक संबंधों के नाम पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं को नजरअंदाज करना भी नुकसानदेह हो सकता है। भारत को इसी संतुलन की जरूरत है। न अत्यधिक आशावाद, न अनावश्यक भय। न युद्ध की भाषा, न कमजोर तैयारी। कूटनीति में दरवाजा खुला रहना चाहिए, मगर सीमा पर पहरा कभी कमजोर नहीं होना चाहिए।

जिनपिंग भारत आते हैं तो भारत को उनका स्वागत करना चाहिए। आखिर यही अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का तकाजा है। ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मंच पर भारत को चीन समेत सभी प्रमुख देशों के साथ अपने हितों के अनुरूप संवाद करना चाहिए। सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाने के प्रयास जारी रहने चाहिए। व्यापार और आर्थिक संबंधों में जहां भारत का हित हो, वहां सहयोग के रास्ते तलाशे जाने चाहिए।

लेकिन लाल कालीन और सीमा की चौकी के बीच कोई विरोधाभास नहीं है। दिल्ली में स्वागत हो सकता है और हिमालय में चौकसी भी। एक तरफ राजनयिक बातचीत हो सकती है और दूसरी तरफ सैनिक अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। वास्तव में यही परिपक्व राष्ट्रनीति है। भारत को चीन के सामने यह संदेश स्पष्ट रखना चाहिए कि वह शांति चाहता है, तनाव नहीं, संवाद चाहता है, टकराव नहीं। लेकिन इसका अर्थ कमजोरी समझना भूल होगी। सीमा पर किसी भी प्रकार की एकतरफा स्थिति बदलने की कोशिश का जवाब राजनीतिक, कूटनीतिक और आवश्यकतानुसार रणनीतिक स्तर पर दिया जाएगा–यह स्पष्टता ही स्थायी शांति की नींव बन सकती है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी सैन्य क्षमता भर नहीं, बल्कि उसकी रणनीतिक धैर्य और निर्णय क्षमता भी है। चीन के साथ संबंधों में जल्दबाजी से बचना होगा। सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए संवाद चलता रहे, सैनिकों के बीच संपर्क बना रहे और विवादित क्षेत्रों में तनाव कम करने के उपाय किए जाएं। साथ ही बुनियादी ढांचे और निगरानी क्षमता को लगातार मजबूत किया जाए। आखिरकार, किसी भी देश की विदेश नीति केवल भाषणों से नहीं चलती। उसके पीछे आर्थिक शक्ति, सैन्य तैयारी, कूटनीतिक प्रभाव और राष्ट्रीय इच्छाशक्ति होती है। भारत को इन सभी मोर्चों पर संतुलित तरीके से आगे बढ़ना होगा। जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इसलिए अवसर भी है और परीक्षा भी। अवसर इस बात का कि दोनों देशों के बीच संवाद को आगे बढ़ाया जाए; परीक्षा इस बात की कि भारत शांति की कोशिश करते हुए अपनी सुरक्षा के प्रति कितना सजग रहता है। चीन से संबंध सुधारने की कोशिश होनी चाहिए, लेकिन सीमा सुरक्षा की कीमत पर नहीं। इस समय भारत को किसी उकसावे की जरूरत नहीं, मगर किसी भ्रम की भी जरूरत नहीं। राजधानी में बातचीत की मेज पर हाथ बढ़े तो सीमा पर तैनात जवान का हाथ अपनी जिम्मेदारी पर मजबूती से बना रहना चाहिए। यही संतुलन भारत की वास्तविक ताकत है।

कूटनीति में मुस्कान जरूरी है, लेकिन सीमा पर निगाह उससे भी ज्यादा जरूरी। जिनपिंग आएं, बातचीत हो, रिश्तों में सुधार की कोशिश हो–मगर हिमालय की चौकियों पर भारत की तैयारी चौबीसों घंटे बनी रहे। यही शांति का सबसे भरोसेमंद आधार है।

विचार विंडो

कद कुर्सी से नहीं, विनम्रता से ऊंचा होता है

बोध प्रकाश सगुणी

शालीनता का असली अर्थ तब समझ में आता है, जब किसी व्यक्ति के पास रुतबा दिखाने के लिए बहुत कुछ हो, लेकिन वह फिर भी सामान्य इंसान की तरह व्यवहार करे। पद, पैसा, प्रसिद्धि और अधिकार व्यक्ति को समाज में पहचान जरूर दिला सकते हैं, लेकिन सम्मान खरीद नहीं सकते। सम्मान कमाना पड़ता है और इसके लिए किसी बड़े पद से ज्यादा जरूरी है–व्यवहार में सहजता, दूसरों के प्रति आदर और अपने महत्व का दिखावा न करना।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी का जीवन इसी बात का खूबसूरत उदाहरण है। उन्होंने सात दशक से अधिक समय तक अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और सैकड़ों फिल्मों में काम किया। एमजी रामचंद्रन और शिवाजी गणेशन जैसे बड़े कलाकारों के साथ पर्दा साझा किया। उनके अभिनय की खासियत केवल संवाद बोलने में नहीं थी, बल्कि चेहरे के सूक्ष्म भावों और संयमित अभिव्यक्ति में थी। वह बिना शोर किए दर्शकों के दिल तक पहुंच जाती थीं।

लेकिन उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी शायद पर्दे से बाहर दिखाई देती थी। उनके पास अपने नाम का रुतबा दिखाने के अनगिनत अवसर थे। फिर भी जब उनकी पोती ने रंगमंच की दुनिया में कदम रखा तो उन्होंने किसी विशेष सम्मान की मांग नहीं की। न कोई अलग आसन, न कोई घोषणा, न कोई विशेष व्यवस्था। उन्होंने सामान्य दर्शक की तरह टिकट लिया, सभागार में पहुंचीं और एक कोने में बैठकर अपनी पोती का अभिनय देखा।

यह दृश्य छोटा जरूर है, लेकिन जीवन का बड़ा पाठ देता है। आज के समाज में हम अक्सर पद को व्यक्ति से बड़ा बना देते हैं। कोई अधिकारी है तो उसके आने से पहले कुर्सी ठीक कर दी जाती है। कोई बड़ा कारोबारी है तो उसके लिए अलग व्यवस्था की जाती है। कोई जनप्रतिनिधि है तो उसके आसपास लोगों की भीड़ जुट जाती है। धीरे–धीरे व्यक्ति को भी लगने लगता है कि यह सम्मान उसके व्यक्तित्व का नहीं, उसके पद का हिस्सा है। यहीं से अहंकार का जन्म होता है।

समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब पद व्यक्ति की आदत बन जाता है। कार्यालय में अधिकारी और घर में भी अधिकारी। सार्वजनिक स्थान पर भी विशेष व्यवहार की अपेक्षा और साधारण नागरिक की तरह कतार में खड़े होने में संकोच। कई बार तो लोग अपने पद का हवाला देकर नियमों से ऊपर होने का भ्रम पाल लेते हैं। सड़क पर यातायात नियम तोड़ने के बाद किसी पुलिसकर्मी से यह कहना कि जल्दी जाने की जरूरत है क्योंकि संसद या किसी बड़े कार्यालय में जाना है, इसी मानसिकता का उदाहरण है। लेकिन नियम के सामने पद का कोई अर्थ नहीं होना चाहिए। लाल बत्ती किसी मंत्री, अधिकारी, उद्योगपति या सामान्य नागरिक के लिए अलग–अलग नहीं होती। कानून की असली खूबसूरती तभी है, जब वह व्यक्ति का परिचय देखकर नहीं, उसके व्यवहार को देखकर लागू हो। दफ्तरों में भी यही बात लागू होती है। किसी कंपनी का बड़ा अधिकारी यदि चाहता है कि हर जगह उसकी पहचान पहले पहुंचे, तो वह शायद अपने पद को जरूरत से ज्यादा महत्व दे रहा है। परिवार के बीच भी यदि व्यक्ति अपने पद की भाषा बोलता रहे, तो रिश्ते धीरे–धीरे औपचारिक हो जाते हैं। घर को कार्यालय बनने में देर नहीं लगती और अपने ही लोग उससे दूरी बनाने लगते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद यह भ्रम और अधिक स्पष्ट होता है। जिस अधिकारी के सामने कभी लोग खड़े होकर बात करते थे, वह एक दिन सामान्य नागरिक बन जाता है। जिस प्रबंधक के कमरे के बाहर मिलने वालों की कतार लगी रहती थी, उसकी कुर्सी किसी और के पास चली जाती है। जिस व्यक्ति के हस्ताक्षर से बड़े निर्णय होते थे, एक दिन उसकी मेज पर कोई फाइल नहीं होती। तब समझ आता है कि पद स्थायी नहीं था, केवल जिम्मेदारी थी। यही कारण है कि वास्तविक बड़ा व्यक्ति वह नहीं होता, जिसके आने पर लोग खड़े हो जाएं। वास्तविक बड़ा वह है, जिसके जाने के बाद भी लोग सम्मान से उसका नाम लें। कुर्सी के साथ मिलने वाला सम्मान पद का होता है, जबकि बिना कुर्सी के मिलने वाला सम्मान व्यक्ति का। हमारे समाज में बच्चों को अक्सर सफलता का अर्थ बड़ा पद, बड़ी गाड़ी, बड़ा घर और बड़ी आय बताया जाता है। यह अधूरा पाठ है। उन्हें यह भी सिखाने की जरूरत है कि सफलता के बाद भी सामान्य बने रहना बड़ी उपलब्धि है। कतार में खड़ा होना, अपना काम स्वयं करना, छोटे कर्मचारी से सम्मानपूर्वक बात करना, किसी नए व्यक्ति की उपलब्धि पर दिल से तालियां बजाना–ये छोटी बातें नहीं हैं। इन्हीं से चरित्र बनता है। वास्तविक आत्मविश्वास को अपने महत्व की घोषणा करने की जरूरत नहीं होती। जिसे अपने कद का भरोसा है, वह दूसरों को छोटा करके बड़ा बनने की कोशिश नहीं करता। वह किसी नए कलाकार की सफलता पर खुश हो सकता है, किसी कनिष्ठ को आगे बढ़ने का अवसर दे सकता है और जरूरत पड़ने पर सामान्य नागरिक की तरह व्यवहार कर सकता है। सौकार जानकी का उदाहरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने अपनी प्रसिद्धि के चरम पर भी साधारणता को नहीं छोड़ा। उनकी कहानी हमें बताती है कि जीवन की लंबी यात्रा के बाद सबसे मूल्यवान उपलब्धि पुरस्कारों की संख्या नहीं, बल्कि लोगों के मन में बचा सम्मान है। आज जब सार्वजनिक जीवन में दिखावे का प्रभाव बढ़ रहा है, यह सीख और भी जरूरी हो जाती है। सामाजिक प्रतिष्ठा को संभालने का सबसे अच्छा तरीका उसका प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि उसे सहजता से स्वीकार करना है। अपनी पहचान बताने से पहले सामने वाले को इंसान समझना चाहिए। पद का सम्मान मिले तो उसे अधिकार नहीं, जिम्मेदारी समझना चाहिए। कुर्सी बदलते देर नहीं लगती। पदनाम भी बदल जाते हैं। शक्तियां आती–जाती रहती हैं। लेकिन व्यवहार की स्मृति लंबे समय तक बनी रहती है। लोग यह भूल सकते हैं कि आप किस पद पर थे, कितने बड़े अधिकारी थे या आपके पास कितना अधिकार था। लेकिन वे यह आसानी से नहीं भूलते कि आपने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था।

यही जीवन का असली सूत्र है–रुतबा दिखाने से दूरी बनती है और शालीनता से दिल जुड़ते हैं। असली कद ऊंची कुर्सी से नहीं, उस कुर्सी से उतरने के बाद भी सामान्य इंसान बने रहने की क्षमता से तय होता है।

देवदत्त पडिक्कल का धमाका

श्रीलंका में शतक लगाकर की विराट कोहली की बराबरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में देवदत्त पडिक्कल ने एक बार फिर अपने बल्ले का दम दिखाया है। कोलंबो के एसएससी ग्राउंड पर खेले जा रहे टेस्ट के पहले दिन पडिक्कल ने शानदार शतक जड़कर कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने 117 रनों की बेहतरीन पारी खेली और लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाने का कारनामा किया। इससे पहले गॉल टेस्ट में भी पडिक्कल के बल्ले से शानदार शतकीय पारी देखने को मिली थी। साई सुदर्शन के चोटिल होकर सीरीज से बाहर होने के बाद टीम में नंबर-3 की जिम्मेदारी संभाल रहे पडिक्कल ने इस मौके को पूरी तरह भुनाया है। कोलंबो टेस्ट में उनकी शतकीय पारी ने न सिर्फ

भारतीय पारी को मजबूती दी, बल्कि उन्हें विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज की बराबरी पर भी पहुंचा दिया। पडिक्कल अब श्रीलंका की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में दो शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। विराट कोहली के नाम भी श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट में दो शतक दर्ज हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर पांच शतकों के साथ सबसे आगे हैं। वहीं वीरेंद्र सहवाग, शिखर धवन और चेतेश्वर पुजारा ने श्रीलंका में तीन-तीन टेस्ट शतक लगाए हैं। पडिक्कल के अलावा विराट कोहली, विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, नवजोत सिंह सिद्धू और अजिंक्य रहाणे के नाम श्रीलंका में दो-दो टेस्ट शतक हैं। पडिक्कल ने अपनी लगातार दो शतकीय पारियों से एक और खास उपलब्धि हासिल की है। वह करीब सात साल बाद ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं, जिसने विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज के लगातार दो मुकाबलों में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया है। इससे पहले चेतेश्वर पुजारा ने 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यह कारनामा किया था। पुजारा ने मेलबर्न टेस्ट में 106 और सिडनी टेस्ट में 193 रन बनाए थे। अब पडिक्कल के प्रदर्शन ने टीम इंडिया के नंबर-3 की समस्या का भी समाधान तलाशने की उम्मीद जगा दी है।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में बड़ा ट्विस्ट

मायरा का राज खुला तो अरमान-कबीर होगें आमने-सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में इन दिनों कहानी तेजी से बदल रही है और अरमान-अभिरा की जिंदगी में एक के बाद एक नई मुश्किलें सामने आ रही हैं। आने वाले एपिसोड में एक गलतफहमी अरमान और कबीर के बीच तनाव बढ़ा देगी, वहीं मायरा की एक छिपी हुई बात भी अभिरा के सामने आ जाएगी। कहानी की शुरुआत अरमान और अभिरा के 'फायरफ्लाई इवेंट' में साथ वक्त बिताने से होती है। दोनों इस दौरान अपने रिश्ते में खोया प्यार महसूस करते हैं। अरमान अभिरा से वादा करता है कि वह हमेशा उसकी जिंदगी को खुशियों और रोशनी से भरने की कोशिश करेगा। लेकिन उनका यह खूबसूरत पल ज्यादा देर तक नहीं टिकता। अंधेरे में अरमान और कबीर

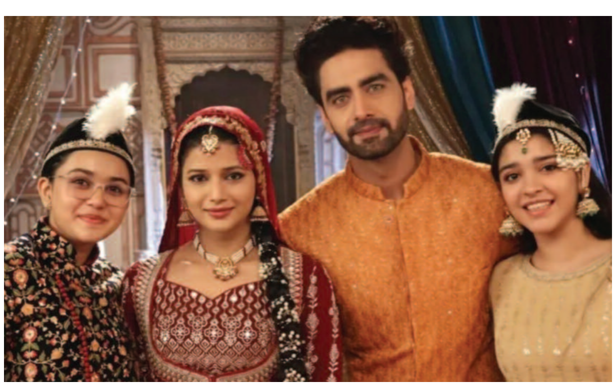

एक-दूसरे को पहचान नहीं पाते और लड़कियों को परेशान करने की गलतफहमी में दोनों के बीच हाथापाई हो जाती है। लाइट आने के बाद कबीर अरमान को धक्का देकर वहां से भाग जाता है। हैरानी की बात यह है कि दोनों ही इस घटना की सच्चाई अपने परिवार से छिपा लेते हैं। दूसरी ओर कावेरी पोद्दार परिवार में जन्माष्टमी मनाने का फैसला करती हैं। वह बताती हैं कि अरमान की बीमारी के समय उन्होंने जन्माष्टमी मनाने का संकल्प लिया था। हालांकि पंडित जी बताते हैं कि इस बार आयोजन का मौका दमानी परिवार को मिल चुका है। इसी बीच अभिरा को मायरा की एक और सच्चाई पता चलती है। मायरा बिना बताए फायरफ्लाई फेस्टिवल में गई थी और उसने अपनी मां से यह बात छिपाई थी। अभिरा उसे रंगे हाथों पकड़ लेती है और जमकर डांट लगाती है। मायरा बताती है कि मुक्ति को भी इस बारे में पता था। इसके बाद अभिरा दोनों को समझाती है कि परिवार से बातें छिपाना सही नहीं है। लेकिन मायरा और मुक्ति को नहीं पता कि असली राज इससे भी बड़ा है। उन्हें अंदाजा नहीं है कि कबीर भी उसी फेस्टिवल में मौजूद था और अरमान की उससे भिड़ंत हो चुकी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब यह सच अभिरा के सामने आएगा तो क्या होगा। क्या अरमान कबीर को माफ कर पाएगा या दोनों के बीच दुश्मनी और बढ़ेगी? आने वाले एपिसोड में यह राज कहानी को एक बड़ा मोड़ दे सकता है।

बांग्लादेश ने लगाई लंबी छलांग तो पाकिस्तान को लगा झटका

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा उलटफेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टेस्ट टीम रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पारी और 51 रन से हारने के बावजूद बांग्लादेश को रैंकिंग में जबरदस्त फायदा हुआ है। दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर रहने के बाद बांग्लादेश की टीम ने तीन स्थान की छलांग लगाई और अब छठे नंबर पर पहुंच गई है। यह बांग्लादेश के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में एक खास उपलब्धि है, क्योंकि टीम पहली बार नौवें स्थान से ऊपर पहुंचने में सफल रही है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला मैके में खेला गया था, जिसे मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ दो दिन में पारी

और 51 रन से जीत लिया। हालांकि, सीरीज का पहला टेस्ट बांग्लादेश ने अपने नाम किया था, जिसका फायदा उसे ताजा रैंकिंग में मिला। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने छठे स्थान पर पहुंचने को टीम के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने माना कि दूसरे टेस्ट में अगर टीम बेहतर प्रदर्शन करती तो यह उपलब्धि और खास हो सकती थी। बांग्लादेश की छलांग का सबसे बड़ा असर पाकिस्तान की रैंकिंग पर पड़ा है। पाकिस्तान अब 75 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं श्रीलंका 76 रेटिंग के साथ सातवें नंबर पर पहुंच गया है। वेस्टइंडीज 74 रेटिंग के साथ नौवें स्थान पर है।

पाकिस्तान के लिए मुश्किलें अभी और बढ़ सकती हैं, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में अगर उसे क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ता है तो उसकी रैंकिंग में और गिरावट हो सकती है। वहीं टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया अब भी नंबर-1 पर काबिज है। दक्षिण अफ्रीका दूसरे और न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर हैं, जबकि भारतीय टीम चौथे नंबर पर बनी हुई है। इस तरह बांग्लादेश की ऐतिहासिक छलांग ने रैंकिंग में कई टीमों की स्थिति बदल दी है और पाकिस्तान को इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ा है।

राजीव ठाकुर के पिता का निधन

कृष्णा अभिषेक ने कैंसिल किया इंदौर शो

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडियन और एक्टर राजीव ठाकुर के पिता का निधन हो गया है, जिससे अभिनेता के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस दुखद खबर की पुष्टि उनके करीबी दोस्त और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने एक वीडियो के जरिए की। दरअसल, कृष्णा अभिषेक और राजीव ठाकुर को इंदौर में एक इवेंट में साथ परफॉर्म करना था। कृष्णा कार्यक्रम के लिए इंदौर पहुंच चुके थे, लेकिन तभी उन्हें राजीव के पिता के निधन की खबर मिली। इसके बाद शो को कैंसिल करने का फैसला लिया गया। कृष्णा ने वीडियो में बताया कि वह इंदौर पहुंच चुके हैं, लेकिन राजीव के पिता के निधन की वजह से अब कार्यक्रम को रीशेड्यूल किया जाएगा। उन्होंने दर्शकों से इस मुश्किल समय को समझने की अपील भी की। आयोजकों ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए टिकट खरीदने वाले दर्शकों से माफी मांगी और बताया कि सभी बुक किए गए टिकटों का पूरा रिफंड दिया जाएगा। साथ ही नई तारीख की घोषणा जल्द करने की बात कही गई है। राजीव ठाकुर के करियर की बात करें तो उन्होंने

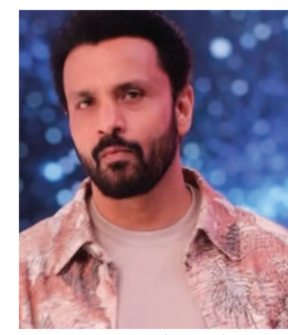

टीवी इंडस्ट्री में आने से पहले पंजाबी थिएटर से अपने सफर की शुरुआत की थी। 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज 3' और 'कॉमेडी सर्कस' से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद वह 'द कपिल शर्मा शो' का हिस्सा बने, जहां उनके कई कॉमेडी किरदार दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए। राजीव ठाकुर हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'आई सी 814: द कंधार हाईजैक' में भी नजर आए थे। इस सीरीज में उन्होंने 'चीफ' का किरदार निभाया था और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी।

गोविंदा का बड़ा एक्शन

फेक और एआई कंटेंट फैलाने वालों को 100 करोड़ के केस की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों और निजी जिंदगी से जुड़ी चर्चाओं के बीच अब गोविंदा ने कड़ा कानूनी रुख अपनाया है। अभिनेता ने अपने, अपने परिवार और पर्सनल लाइफ को लेकर फेक, भ्रामक और एआई जनरेटेड कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ लीगल नोटिस जारी किया है। नोटिस में साफ चेतावनी दी गई है कि सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म, मीडिया संस्थान या कंटेंट क्रिएटर्स अगर उनकी छवि खराब करने वाला कोई गलत या भ्रामक कंटेंट शेयर करते हैं तो उनके खिलाफ सिविल और क्रिमिनल कार्रवाई की जा सकती है। एएनआई के अनुसार, गोविंदा की लीगल टीम ने खासतौर पर मॉर्फ्ड तस्वीरों, डीपफेक वीडियो और एआई से तैयार किए गए सिंथेटिक कंटेंट पर आपत्ति जताई है। नोटिस में कहा गया है कि बिना अनुमति उनकी आवाज, फोटो या निजी और पारिवारिक जिंदगी से जुड़ी किसी भी चीज को एआई या अन्य डिजिटल तकनीक के जरिए बदलकर या गलत

तरीके से पेश किया गया तो सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। ऐसा करने वालों पर मानहानि, निजता के उल्लंघन, पहचान के गलत इस्तेमाल और साइबर क्राइम से जुड़े कानूनों के तहत केस दर्ज कराया जा सकता है। गोविंदा ने चेतावनी दी है कि उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वालों से 100 करोड़ रुपये तक का हर्जाना भी मांगा जा सकता है। यह कदम ऐसे समय पर आया है जब राखी सावंत और सुनीता आहूजा की बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें गोविंदा की निजी जिंदगी और दूसरी शादी की कथित योजना को लेकर चर्चा हुई थी। इससे पहले भी सुनीता आहूजा कई मौकों पर गोविंदा पर कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर बयान दे चुकी हैं।

हादसे के बाद एक्सप्रेस–वे पर कार से दस किलो सोना बरामद

पुलिस की गाड़ी से टकराई तेज रफ्तार कार

दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

यूनिक समय, कन्नौज। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर देर रात पुलिस की सामान्य जांच के दौरान एक कार हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना के बाद कार की तलाशी लेने पर उसमें से करीब दस किलोग्राम सोने के बिस्किट बरामद होने से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। पुलिस ने कार सवार दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, तालग्राम थाना क्षेत्र में कांवड़ यात्रा की ड्यूटी से लौट रही पुलिस टीम की गाड़ी से तेज रफ्तार कार टकरा गई। हादसे के बाद पुलिसकर्मियों ने कार की जांच की। तलाशी के दौरान एक बैग मिला। बैग खोलने पर उसमें सोने के बिस्किट रखे मिले। प्रारंभिक जानकारी में इनकी संख्या दस और कुल वजन करीब दस किलोग्राम बताया जा रहा है।

मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। बरामद सोने की वैधता और उसके स्रोत का पता लगाने के लिए संबंधित विभागों को भी जानकारी दी गई। सोने की शुद्धता और वास्तविक वजन की जांच कराई जा रही है। पुलिस अब हिरासत में लिए गए दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि सोना कहां से लाया गया था और इसे कहां ले जाया जा रहा था। साथ ही इसके स्वामित्व और वैध दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल बरामद सोने के वजन और कीमत की अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संभल में विद्युत विभाग के जेई का मकान में मिला शव

दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस पहुंची, अस्पताल में हुई मौत

मैनपुरी निवासी अधिकारी पांच वर्ष से संभल में तैनात थे

यूनिक समय, संभल। हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के सिरसी कस्बे में रविवार सुबह विद्युत विभाग के ट्रांसमिशन अवर अभियंता का शव किराए के मकान में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान मैनपुरी निवासी रामवरेश यादव (52) के रूप में हुई है। वह असलम पुत्र फारूक के मकान में किराए पर रह रहे थे।

घटना सुबह करीब सात बजे नगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला सादक सराय की है। मकान मालिक को कमरे में असामान्य शांति महसूस हुई। काफी प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और कमरा खुलवाया। अंदर रामवरेश यादव जमीन पर पड़े मिले। पुलिस उन्हें तत्काल जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार, रामवरेश ने शनिवार शाम करीब सात बजे पत्नी उर्मिला देवी और छोटे बेटे लवलेश से फोन पर बातचीत की थी। परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। तीनों बेटियों और बड़े बेटे रवि की शादी हो चुकी है। छोटा बेटा लवलेश 13 वर्ष का है। परिजनों ने बताया कि रामवरेश अपने छोटे बेटे को लेकर चिंतित रहते थे। उन्हें किसी बीमारी की जानकारी नहीं थी। हालांकि, परिजनों के मुताबिक वह शराब का सेवन करते थे।

रामवरेश पिछले करीब पांच वर्षों से संभल जिले में तैनात थे। करीब एक माह पहले ही उनकी तैनाती 220 केवी बिजलीघर सिरसी में हुई थी। इससे पहले वह चंदौसी क्षेत्र के पुरा बिजलीघर पर कार्यरत थे।

थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता रघुनाथ तित्तल ने उनकी आकस्मिक मृत्यु पर शोक जताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रिमोट से सरिया चोरी करने वाला हाईटेक गिरोह पकड़ा गया

धर्मकांटे में चिप लगाकर वजन में करते थे हेराफेरी

41.78 टन सरिया और ट्रक पुलिस ने बरामद किया

यूनिक समय, गाजियाबाद। कंप्यूटरीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट से वजन में हेराफेरी कर सरिया चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। स्वाट टीम, अपराध शाखा और कविनगर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 41,780 किलोग्राम यानी करीब 41.78 टन चोरी का सरिया और उसे ढोने वाला ट्रक बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग धर्मकांटे की तकनीक में छेड़छाड़ कर सरिया चोरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को दबोच लिया। बरामद सरिया ट्रक में लदा हुआ था।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट से वजन कम दिखाते थे। इसके बाद अतिरिक्त सरिया चोरी कर उसे अलग स्थान पर उतार दिया जाता था। गिरोह चोरी का माल नैथली बारापत स्थित गोदाम में पहुंचाता था। वहां से दूसरी गाड़ियों के जरिये माल अलग–अलग ठिकानों पर भेजा जाता था।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुसर्रफ, ओसामा, इमरान और प्रशांत के रूप में की है। जांच में कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस उनकी तलाश के साथ आरोपियों के आपराधिक इतिहास की पड़ताल कर रही है।

जापान में यूपी के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े

नर्सिंग देखभाल क्षेत्र में कुशल युवाओं की बढ़ी मांग

दो लाख रुपये तक मासिक वेतन मिलने की संभावना है

यूनिक समय, लखनऊ। जापान में बढ़ती बुजुर्ग आबादी के कारण नर्सिंग और देखभाल क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए जापान में रोजगार के नए अवसर बनने की संभावना है। यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी ने उत्तर प्रदेश से नर्सिंग, देखभाल और मानव संसाधन के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता जताई है।

जापान के सरकारी रोजगार आंकड़ों के अनुसार नर्सिंग क्षेत्र में सालाना वेतन न्यूनतम करीब 23 लाख रुपये बताया गया है। वहीं, पद, योग्यता, अनुभव, कार्यस्थल और मिलने वाले भत्तों के आधार पर मासिक आय दो लाख रुपये तक पहुंच सकती है। इससे यह क्षेत्र भारतीय युवाओं के लिए आर्थिक रूप से आकर्षक बन रहा है।

यामानाशी के राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बड़ी युवा आबादी जापान की बढ़ती मानव संसाधन जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। दोनों पक्ष मिलकर ऐसे युवाओं को तैयार कर सकते हैं, जिन्हें जापानी भाषा और आवश्यक कौशल का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि जापान में काम करने के दौरान हासिल अनुभव और तकनीकी दक्षता का लाभ भविष्य में उत्तर प्रदेश और भारत में भी लिया जा सकता है। जापान की बढ़ती स्वास्थ्य एवं देखभाल जरूरतों को देखते हुए आने वाले वर्षों में प्रशिक्षित युवाओं की मांग और बढ़ने की संभावना है। इससे प्रदेश में कौशल विकास और विदेश रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं।

कानपुर में मिलावटी खोये पर चला सघन अभियान

24 टीमों ने मंडियों और निर्माण इकाइयों की जांच

संदिग्ध खोया और सामग्री मौके पर नष्ट कराया

यूनिक समय, कानपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कानपुर नगर और कानपुर देहात में मिलावटी खोये के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। प्रदेश स्तर से गठित 24 टीमों ने विभिन्न खोया निर्माण इकाइयों और मंडियों में जांच की। इस दौरान कुल 28 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए, जबकि करीब 1.50 लाख रुपये मूल्य की संदिग्ध खाद्य सामग्री और मिलावटी पदार्थ नष्ट कराए गए। कानपुर देहात के रसूलाबाद क्षेत्र में एक खोया निर्माण इकाई की जांच के दौरान स्किम्ड मिल्क पाउडर, हाइड्रोजन परॉक्साइड और करीब एक कुंतल तैयार खोया मिला। टीम ने करीब 100 किलोग्राम खोया नष्ट कराया। खाद्य पदार्थ में मिलावट के लिए रसायनों के इस्तेमाल के आरोप में संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। झींझक क्षेत्र में भी एक इकाई में रिफाइंड सोयाबीन तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर और करीब 32 किलोग्राम तैयार खोया मिला। अस्वच्छ परिस्थितियों में संचालित इकाई का पंजीकरण निलंबित करते हुए संदिग्ध सामग्री नष्ट कराई गई।

कानपुर नगर की एक्सप्रेसवे, फजलगंज और हटिया खोया मंडियों में भी जांच हुई। हटिया मंडी में 14 विक्रेताओं से नमूने लिए गए और करीब 4.30 कुंतल खोया नष्ट कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रसोइयों को योगी सरकार ने दिए चार तोहफे

3.53 लाख रसोइयों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

मानदेय बढ़ा, दुर्घटना बीमा और वेशभूषा राशि दोगुनी

यूनिक समय, लखनऊ। रक्षाबंधन से पहले उत्तर प्रदेश की 3.53 लाख रसोइयों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार बड़ी सौगातें दीं। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। प्रदेशभर से करीब 1500 रसोइयां कार्यक्रम में शामिल हुईं। जिला और तहसील स्तर पर भी सम्मान समारोह आयोजित किए गए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रसोइयों का मानदेय दो हजार से बढ़ाकर तीन हजार रुपये किया गया है। इसके अलावा दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, परिवार के लिए पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा और वेशभूषा के लिए मिलने वाली राशि को दोगुना किया गया है। साड़ी खरीदने के लिए अब पांच सौ के बजाय एक हजार रुपये मिलेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रसोइयां बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य और भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि पहले रसोइयों के लिए सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब उन्हें सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया गया है। रसोइयों के खाते खुलवाकर मानदेय सीधे भेजने की व्यवस्था भी की जाएगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रसोइयों को भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन मिलना चाहिए। भोजन बनाते समय किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्थानीय अंदाज में रसोइयों से संवाद करते हुए सरकार की योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए सरकार के कामकाज के आधार पर निर्णय लेने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को वर्दी, जूते–मोजे और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। समारोह में रसोइयों को सम्मानित भी किया गया।

छात्रा की शिकायत पर स्कूल अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज

यूनिक समय, कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र के तेलमील स्थित सर सैयद स्कूल के उप प्रधानाचार्य और शारीरिक शिक्षा शिक्षिका के खिलाफ 14 वर्षीय छात्रा की मां की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। छात्रा के पिता ने दोनों पर मानसिक प्रताड़ना समेत गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रा के पिता के अनुसार, उनकी बेटी कक्षा आठ में पढ़ती है और करीब चार वर्षों से इसी विद्यालय में अध्ययनरत है। आरोप है कि वर्ष 2022 में एक घायल छात्र की मदद करने के मामले के बाद से उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। पिता ने उप प्रधानाचार्य पर छात्रा को अपनी निजी कोचिंग में पढ़ने के लिए दबाव बनाने और मना करने पर परीक्षा में असफल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पिता का आरोप है कि विद्यालय से छुट्टी के समय छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार करने का प्रयास किया गया। एक अगस्त को सहपाठी से विवाद की शिकायत करने के बाद शारीरिक शिक्षा शिक्षिका ने कथित तौर पर उसे करीब तीन घंटे विद्यालय के गेट पर खड़ा रखा। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद छात्रा की मानसिक स्थिति प्रभावित हुई और वह घर से बाहर निकलने से डर रही है। पिता ने पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मिलावटी घी पर एफएसएसएआई ने कसा शिकंजा

दो कंपनियों की बिक्री पर लगी रोक

जांच में मानकों से बाहर मिले घी के नमूने

यूनिक समय, नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दो कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। नई दिल्ली की मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का खाद्य कारोबार लाइसेंस 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दमन स्थित एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को अपने सभी प्रकार के घी की बिक्री तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया गया है।

प्राधिकरण के अनुसार, दोनों कंपनियों के प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कमियां सामने आईं। मार्शे रिटेल के यहां साफ-सफाई, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, प्रतिष्ठान की व्यवस्था और खाद्य पदार्थों के रखरखाव में खामियां मिलीं। कर्मचारियों के प्रशिक्षण और जरूरी अभिलेखों के रखरखाव में भी कमी पाई गई। कंपनी को सभी खाद्य कारोबार गतिविधियां बंद करने और कमियां दूर करने का निर्देश दिया गया है। एसडीपी इंडस्ट्रीज के घी उत्पादों की प्रयोगशाला जांच में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। श्रद्धा, श्री सरस और गोकुल नाम से बेचे जा रहे घी के नमूनों में ए-साइटोस्टेरॉल पाया गया। प्राधिकरण के मुताबिक यह वनस्पति स्टेरॉल है, जिसकी घी में मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। नमूनों में फैटी एसिड की संरचना भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिली। जांच निष्कर्षों के आधार पर घी में बाहरी या वनस्पति वसा की मौजूदगी की आशंका जताई गई है। एफएसएसएआई ने कंपनी को अपने अधिकृत परिसरों में बनाए, रखे या बेचे जा रहे सभी प्रकार के घी की बिक्री रोकने का आदेश दिया है। यह रोक अगले आदेश तक जारी रहेगी। प्राधिकरण ने अन्य खाद्य कंपनियों को भी नियमों का पालन करने की चेतावनी दी है।

गोल्डी बराड़ का निज्जर हत्या पर बड़ा दावा सामने आया

वायरल ऑडियो में हत्या की वजह बताने का दावा

कनाडा में हत्या के बाद बढ़ा था विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने एक कथित वायरल ऑडियो में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। ऑडियो में बराड़ कथित तौर पर निज्जर पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की वजह भी बताता सुनाई दे रहा है। हालांकि, इस ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बराड़ के कथित बयान के अनुसार, निज्जर ऐसे लोगों का समर्थन करता था, जो कम उम्र के युवाओं को नशीले पदार्थों की बिक्री के लिए इस्तेमाल करते थे। उसका आरोप है कि इन युवाओं पर दबाव बनाया जाता था और उन्हें नशे के कारोबार तथा मुखबिरी के लिए मजबूर किया जाता था। बराड़ ने दावा किया कि निज्जर ऐसे लोगों को संरक्षण और ताकत देता था। हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में भी गंभीर तनाव पैदा हुआ था। भारत लगातार कनाडा की ओर से भारतीय एजेंटों पर लगाए गए आरोपों को खारिज करता रहा है। भारतीय पक्ष ने कहा था कि ऐसे आरोपों के समर्थन में पर्याप्त और विश्वसनीय प्रमाण सामने नहीं रखे गए।

अब सामने आए कथित ऑडियो में बराड़ की ओर से हत्या के पीछे गैंगवार और आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी वजह बताए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, ऑडियो की सत्यता और उसमें किए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी। मामले को लेकर संबंधित एजेंसियों की जांच और आधिकारिक बयानों का इंतजार महत्वपूर्ण रहेगा।

सड़क विवाद में पिस्टल लहराना पड़ा भारी, तीन गिरफ्तार

वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने कसा शिकंजा

पुलिस ने तीनों आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में सड़क पर मारपीट और पिस्टल लहराकर धमकाने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाइसेंसी .32 बोर पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, डंडा और फॉर्च्यूनर कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात नेक्स्ट हॉस्टल के पास दो वाहनों को हटाने को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज में एक युवक डंडा लिए और दूसरा पिस्टल लहराते दिखाई दिया। जांच के दौरान पुलिस ने गौरव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद फॉर्च्यूनर चालक नीरज राजपूत और उसके साथी मनीष नेगी की पहचान हुई। दोनों को पुलिस ने ग्राफिक एरा अस्पताल परिसर से गिरफ्तार किया। आरोप है कि उन्होंने पिस्टल दिखाकर गौरव को धमकाया था।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर मारपीट, शांति व्यवस्था भंग करने, घातक हथियार प्रदर्शित करने और लाइसेंसी हथियार के दुरुपयोग का मुकदमा दर्ज किया है। बरामद पिस्टल नीरज के नाम पर लाइसेंसी बताई गई है। पुलिस ने उसका शस्त्र लाइसेंस निरस्त कराने के लिए जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजने की बात कही है।

डोभाल के चीन दौरे से सीमा विवाद समाधान की उम्मीद

सीमा तनाव घटाने पर दोनों देशों की नजरें

सैनिक वापसी से आगे समाधान की तलाश जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक संवाद एक बार फिर महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सोमवार को चीन के बीजिंग पहुंचेंगे। यहां वह चीनी विदेश मंत्री और अपने समकक्ष वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि वार्ता में हिस्सा लेंगे। बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति, सैनिकों की तैनाती और दोनों देशों के संबंधों से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। गलवान घाटी में जून 2020 की हिंसक झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में तनाव बढ़ गया था। पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक और सैन्य संसाधन तैनात किए थे। इसके बाद सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की बातचीत हुई। अब विशेष प्रतिनिधि वार्ता के जरिए तनाव कम करने और सीमा क्षेत्रों में स्थायी शांति का रास्ता तलाशने पर जोर है। भारत का लगातार रुख रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते। ऐसे में डोभाल और वांग यी की बातचीत में सैनिकों की वापसी, सीमा प्रबंधन और भविष्य में टकराव रोकने के उपायों पर चर्चा अहम होगी। यह वार्ता केवल तत्काल तनाव घटाने तक सीमित नहीं मानी जा रही। दोनों देश सीमा विवाद के दीर्घकालिक राजनीतिक समाधान की दिशा में भी आगे बढ़ने की कोशिश कर सकते हैं। डोभाल का दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बातचीत का परिणाम भारत-चीन संबंधों की अगली दिशा तय करने में भूमिका निभा सकता है।

चार माह पहले की शादी गर्भवती अधिकारी की मौत

द्वारका में फंदे से लटका मिला अधिकारी का शव

परिजनों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के लगाए आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। द्वारका के भरथल इलाके में रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर तैनात 30 वर्षीय नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 21 अगस्त की सुबह उनका शव घर में फंदे से लटका मिला। परिजनों के मुताबिक नाजिया तीन माह की गर्भवती थीं और उनकी शादी करीब चार माह पहले 11 अप्रैल को आजम अली खान से हुई थी।

परिजनों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही नाजिया को पति और ससुराल पक्ष के लोगों की कथित प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी। उनके भाई शादाब खान का दावा है कि नाजिया फोन पर परिवार को अपनी परेशानियां बताती थीं। परिजनों ने मारपीट, गाली-गलौज और धमकियां देने के आरोप भी लगाए हैं। परिवार के अनुसार, 21 अगस्त की सुबह करीब चार बजे ससुर ने फोन कर नाजिया की मौत की जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों ने दहेज मृत्यु, क्रूरता और आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच तथा गर्भावस्था का स्पष्ट उल्लेख करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच जारी है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम और जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगा।

ओमान में सड़क हादसा, एक भारतीय की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान में भीषण सड़क हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य भारतीय घायल हो गए। हादसा सुल्तान सईद बिन तैमूर स्ट्रीट पर उस समय हुआ, जब एक वाहन सड़क से उतरकर पलट गया।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। रॉयल ओमान पुलिस के अनुसार, सभी नौ घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए निजवा अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो लोगों को अल हेमा गवर्नरेट से एयर विंग की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस ने हादसे में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है। मृतक और सभी घायल भारतीय नागरिक बताए गए हैं। हालांकि, मृतक की पहचान और हादसे के कारणों को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सड़क पर खराब दृश्यता को लेकर पहले ही चेतावनी जारी की थी। आंधी, भारी बारिश और उड़ती धूल के कारण राजमार्ग पर दृश्यता प्रभावित होने की बात कही गई थी। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

बड़े सपने देखें, अंतरिक्ष की नई सीमाएं छुएं: मोदी

चंद्रयान-3 की सफलता को याद कर वैज्ञानिकों को सराहा

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर नवाचार और अनुसंधान का दिया संदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष यात्रा और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए युवाओं तथा वैज्ञानिकों से बड़े सपने देखने, नवाचार को बढ़ावा देने और अंतरिक्ष की नई सीमाओं को तलाशने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। उन्होंने चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता को याद करते हुए इसे भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के योगदान की सराहना की। हर वर्ष 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2023 में इसी दिन चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास सफल लैंडिंग की थी। इसके साथ भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बना था।

हिमाचल में बारिश बनी आफत, 224 मौतें, 1121 करोड़ का नुकसान

बारिश से 149 सड़कें बंद, सेवाएं भी प्रभावित मंडी में सबसे ज्यादा सड़कें बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। भूस्खलन, बाढ़ और सड़क हादसों के कारण अब तक 224 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 330 लोग घायल हुए हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की 23 अगस्त सुबह की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 149 सड़कें बंद हैं। 60 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर और 35 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। सड़क बंद होने से मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 86 मार्ग बाधित हैं। कुल्लू में 31, शिमला में 10, चंबा और कांगड़ा में आठ-आठ सड़कें बंद हैं। ऊना में चार, जबकि बिलासपुर और लाहौल-स्पीति में एक-एक मार्ग प्रभावित है। 30 जून से 22 अगस्त तक की रिपोर्ट के मुताबिक 224 मौतों में 91 लोग आपदा संबंधी घटनाओं में और 133 की जान सड़क हादसों में गई। इस दौरान एक व्यक्ति लापता भी है। प्रदेश में मानसून से अब तक करीब 1,121 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया है। मकानों, दुकानों, पशुशालाओं और अन्य सार्वजनिक-निजी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है। 441 पशुओं की मौत की जानकारी सामने आई है।

बारिश का असर तेजी से बढ़ा है। 22 अगस्त शाम को 98 सड़कें बंद थीं, जो अगले दिन बढ़कर 149 हो गईं। मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है। प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों, कमजोर ढलानों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है।

गन्ना किसानों के समर्थन में उतरी कांग्रेस

छाता शुगर मिल गेट पर चल रहे धरना स्थल पर भूतपूर्व सैनिकों के साथ कांग्रेस नेता उमेश पंडित।

उमेश पंडित ने चीनी मिल पहुंचकर दिया समर्थन

यूनिक समय, मथुरा। छाता शुगर मिल गेट पर किसानों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन को उस समय बड़ा बल मिला, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उमेश पंडित पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और भूतपूर्व सैनिक किसानों की मांगों का पूर्ण रूप से समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव किसानों, मजदूरों और आम जनता के हक की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने क्षेत्र के विकास में कांग्रेस के ऐतिहासिक योगदान को याद दिलाते हुए कहा कि मथुरा का वास्तविक औद्योगिक और बुनियादी विकास कांग्रेस की सरकारों की देन है।

कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही मथुरा को एक बड़ी सौगात के रूप में रिफाइनरी मिली, जिसने क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोले। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की जायज मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

भूतपूर्व सैनिकों को किसान नेता ने दिया समर्थन

यूनिक समय, छाता। छाता शुगर मिल पर मांगों को लेकर धरने पर बैठे भूतपूर्व सैनिकों के बीच पहुंचे अखिल भारतीय किसान सभा के नेता छीतर सिंह ने किसानों और सैनिकों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने प्रशासनिक ढुलमुल रवैये पर तीखा प्रहार करते हुए आरपार की लड़ाई का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का किसान चाहता है कि उसकी भी आर्थिक स्थिति बागपत और मुजफ्फरनगर जैसे समृद्ध किसान क्षेत्रों की तर्ज पर मजबूत बने। इसके लिए अब यहां का किसान पीछे हटने वाला नहीं है।

मांग पूरी न होने पर विधानसभा का घेराव करेगी भाकियू

यूनिक समय, छाता। क्षेत्र के किसानों की ज्वलंत समस्या शुगर मिल का समाधान न होने से नाराज भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। छाता शुगर मिल गेट पर चल रहे भूतपूर्व सैनिकों के धरना स्थल पर किसान पहुंचे। जिलाध्यक्ष संजय पाराशर ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि प्रशासन और सरकार ने छाता के किसानों की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया, तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर यूनियन लखनऊ स्थित विधानसभा का घेराव करेगी।

क्षत्रिय राजपूत महासभा ने किया सम्मान

यूनिक समय, छाता। छाता शुगर मिल के गेट पर 13 दिन से मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों और भूतपूर्व सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए क्षत्रिय राजपूत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सिकरवार पहुंचे। उन्होंने धरना स्थल पर मौजूद सभी किसानों और भूतपूर्व सैनिकों का स्वागत किया। कहा कि क्षत्रिय समाज का इतिहास हमेशा से सर्वसमाज की रक्षा और सम्मान करने का रहा है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति समाज और अपने हक के लिए ईमानदारी से लड़ाई लड़ रहा है, उसका सम्मान करना हम सभी का धर्म और कर्तव्य है। इस मौके पर रवि ठाकुर, सियाराम ठाकुर, पवन ठाकुर, विजय सिंह राजपूत, मनोज ठाकुर, घनश्याम सिंह गौर और मोहन सिंह आदि उपस्थित थे।

केसरी मखमल के हिंडोले में विराजे द्वारकाधीश

केसरी मखमल के हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को भगवान द्वारिकाधीश केसरी मखमल के हिंडोले में विराजमान हुए। दर्शन करके श्रद्धालु पुलकित हो गए।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत ठाकुर महाराज केसरी मखमल हिंडोले में विराजमान हुए। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़–लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। कल संध्या उद्यापन के दर्शन 5:10 बजे से 5:40 तक होंगे, जिसमे ठाकुर जी पवित्रा का हिंडोला में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर चला स्वच्छता अभियान

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता अभियान के दौरान स्वयंसेवक।

250 से अधिक स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान, श्रद्धालुओं और दुकानदारों को स्वच्छता का संदेश

यूनिक समय, गोवर्धन। 'हम सबने यह ठाना है–ब्रज को स्वच्छ बनाना है' के संकल्प के साथ ब्रज वैभव अभियान के तहत गोवर्धन की छोटी परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता महाअभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के संयुक्त प्रयास से आयोजित अभियान में 250 से अधिक स्वयंसेवकों और कुलदीपक पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने श्रमदान किया।

अभियान का शुभारंभ गोवर्धन नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष शर्मा ने किया। स्वयंसेवकों ने परिक्रमा मार्ग और आसपास फैले कचरे को एकत्र कर सफाई की। साथ ही परिक्रमार्थियों और दुकानदारों से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की। अभियान में मथुरा के अलावा आगरा, अलीगढ़, मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली, देहरादून और रोहतक से आए स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। हार्टफुलनेस के मथुरा संयोजक निशांत शर्मा ने भंडारा संचालकों से पर्याप्त कूड़ेदान रखने और गीले–सूखे कचरे के लिए अलग व्यवस्था करने की अपील की। उन्होंने प्लास्टिक और एकल उपयोग वाली सामग्री का प्रयोग कम करने पर जोर दिया। कुलदीपक पब्लिक स्कूल के प्रबंधक दुष्यंत शर्मा ने कहा कि ऐसे अभियान विद्यार्थियों और युवाओं में सेवा भावना के साथ स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाते हैं। अंत में स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छ गोवर्धन, सुंदर गोवर्धन' का संदेश देते हुए परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अनुज गोयल, हिमांशु, राजवीर सिंह हुड्डा, विचित्रा नंद वर्मा, अजय अग्रवाल, प्रदीप शर्मा, सुरेन्द्र त्यागी, संदीप खन्ना, संजय शर्मा, दिगंबर सिंह, सुरेंद्र शर्मा, जेपी सिंह, पीएन तिवारी, अनिल इंडोलिया, जसौद मेहता, मयंक सक्सेना आदि मौजूद रहे।

दस साल पुरानी जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत

विकास कामों का शुभारंभ करते पार्षद चंदन आहूजा आदि।

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर वार्ड संख्या 30 के डी ब्लॉक में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में रविवार को पहल शुरू हुई। क्षेत्र में नाली और सीसी सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन पार्षद चंदन आहूजा ने नारियल फोड़कर किया। करीब 60 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस विकास कार्य से बारिश के दौरान जलभराव और जल निकासी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। पार्षद चंदन आहूजा ने बताया कि डी ब्लॉक की मुख्य सड़क पर पिछले करीब 10 वर्षों से जलभराव बड़ी समस्या बनी हुई थी। नगर निगम की बोर्ड बैठक में निर्माण कार्य को स्वीकृति दिलाई गई है। परियोजना के तहत अनिल पिपलानी

कृष्णा नगर डी-ब्लॉक में नाली और सीसी सड़क का काम शुरू

और सूरज चक्की वालों से लेकर चौधरी आरओ प्लांट और ट्रांसफार्मर तक दोनों ओर नाली बनाई जाएगी। इसके साथ मुख्य सड़क पर सीसी निर्माण भी कराया जाएगा।

इस मौके पर कौशल अदलक्खा, हरिओम आहूजा, नवनीत पिपलानी, विनोद अरोड़ा, दिनेश गेरा, रोहित अरोड़ा, राजू शर्मा, प्रियंक मल्होत्रा, सूरज अग्रवाल, हरेंद्र अग्रवाल, पिंटू अग्रवाल, कपिल चतुर्वेदी, मनोज खत्री, तुषार पिपलानी, सुमित चावला, सुमित मल्होत्रा, रोहित कुमार, नरेश कुमार, नरेंद्र कुमार, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

परखम के चामुंडा मंदिर में चोरी

दिन दहाड़े बाइक चोरी कर ले गए चोर

चोरी की दोनों घटनाएं सीसी टीवी में हुई कैद

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह के परखम स्थित मां चामुंडा मंदिर में चोरों ने दानपात्र को तोड़ लिया। इसके साथ ही चोरों ने मंदिर के घंटे आदि सामान चोरी कर लिया। दूसरी घटना में चोर होमगार्ड के घर के समीप खड़ी बाइक को भी चोर चोरी कर ले गए। दोनों ही घटना सीसी टीवी में कैद हो गई।

परखम स्थित मां चामुंडा मंदिर में चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों में एक महिला और पुरुष दोनों मंदिर में चोरी करते साफ नजर आ रहे है। चोरों ने मंदिर में लगे दानपात्र को तोड़ कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ली। इसके बाद चोरों ने मंदिर में लगे पीतल के घंटे भी चोरी कर ले गए। मंदिर में हुई चोरी का पता लगने पर ग्रामीण मंदिर पर एकत्रित हो गए। मंदिर में चोरी होने की घटना पर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने पुलिस से मंदिर में चोरी करने वालों को गिरफ्तार कर चोरी गए सामान को बरामद करने की मांग की है।

दूसरी घटना में चोरों ने आज परखम में दिन दहाड़े होमगार्ड के मकान के समीप खड़ी पलसर बाइक को चोरी कर लिया। चोरी करने वाले दो युवक हेलमट लगा कर बाइक से आए थे और वहां खड़ी बाइक को लेकर चलते बने। बाइक चोरी करने वाले चोर सीसी टीवी में कैद हो गए। पुलिस दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले चोरों की तलाश कर रही है।

नशा मुक्ति को निकली जागरूकता रैली

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों -स्वयं सेविकाओं ने नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। प्राचार्य प्रो. पी.के. सारस्वत की अध्यक्षता और कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार के निर्देशन में महाविद्यालय परिसर से मुख्य बाजार में रैली में निकाली गई। इस अवसर पर, प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. के.एल अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. निधि सिंह, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, मृदुला पांडेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार और सौरभ कुलश्रेष्ठ शामिल थे।

जयंत चौधरी बोले, राजनीति में मजाक का समय नहीं

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी रविवार को मथुरा पहुंचे। उन्होंने आरएलडी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता स्वर्गीय राजेंद्र सिंह सिकरवार के आवास पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सिकरवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में जयंत चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के एनडीए और सहयोगी दलों को लेकर दिए बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में मजाक का समय नहीं है। विपक्ष को गंभीर मुद्दों पर अपनी बात रखनी चाहिए। देश और प्रदेश के सामने कई महत्वपूर्ण विषय हैं, जिन पर सार्थक चर्चा जरूरी है। उन्होंने एनडीए गठबंधन को मजबूत बताते हुए कहा कि सभी सहयोगी दल आपसी समन्वय से जनसेवा और विकास के लिए काम कर रहे हैं। इस दौरान आरएलडी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जय बांकेबिहारी, हो गए दर्शन आपके

पुत्रदा एकादशी को मंदिर में भीड़ का नजारा, उमस के बीच उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, वृंदावन। पुत्रदा एकादशी पर रविवार को ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। एक तो रविवार का अवकाश और फिर पुत्रदा एकादशी। इसलिए दर्शन का महत्व और बढ़ गया।

सुबह से मंदिर की ओर आने वाले मार्गों पर भक्तों की चहल पहल अधिक देखी गई। सूरज चढ़ने के कारण भीड़ और बढ़ गई। हालात यह हो गए कि श्रद्धालुओं के सिर ही सिर नजर आने लगे। उमस भरी गर्मी पर आस्था भारी पड़ती नजर आ रही थी। मंदिर के गेट नंबर दो और तीन से प्रवेश करने के दौरान श्रद्धालुओं को मारा मारी नजर आई। किसी तरह से श्रद्धालु मंदिर के आंगन में पहुंचे तो अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए लालायित हो उठे। किसी भी तरह से दर्शन हो जाएं। उमस के कारण हालात अनेक श्रद्धालु दर्शन कर गेट नंबर एक और चार की ओर रुख करते हुए बाहर निकले तो राहत महसूस की। ठाकुर राधावल्लभ लाल मंदिर, राधादामोदर मंदिर, राधा श्याम सुंदर मंदिर, राधारमण लाल मंदिर, सेवाकुंज मंदिर, निधिवन राज मंदिर, प्रेम मंदिर, अष्टसखी मंदिर, मदन मोहन मंदिर और गोविंद देव मंदिर समेत सभी मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे।

परिक्रमा मार्ग में राधे–राधे की गूंज

यूनिक समय, वृंदावन। पुत्रदा एकादशी पर रविवार को सुबह से पंचकोसीय परिक्रमा देने के लिए, श्रद्धालु घरों से निकल पड़े। उन्होंने ब्रज रज को प्रणाम कर परिक्रमा की शुरुआत की। किसी के हाथ में माला झोली और किसी के हाथ ढोलक मजीरा। बस वह राधे–राधे रटते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। बीच रास्ते में यमुना को नतमस्तक होते हुए दीपक जलाया। एकादशी की परिक्रमा को लेकर कई आश्रमों के बाहर प्रसाद का वितरण हो रहा था।

पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने पोक्सो एक्ट के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त कान्हा निवासी गांव भालई को भालई के पुल के समीप से गिरफ्तार किया है।

तमंचा धारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर पुलिस ने अमरनाथ स्कूल के ग्राउंड के पीछे वाले गेट के समीप से चांद निवासी मेवाती मौहल्ला मटिया गेट को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।